

//-- सुविचार --// अनुमान गलत हो सकता है पर अनुभव कभी गलत नहीं होता, क्योंकि अनुमान हमारे मन की कल्पना है, और अनुभव हमारे जीवन की सीख है		
सूर्योदय/सूर्यास्त		
उदय : 05:08 प्रातः अस्त : 06:22 संध्या		
प्रदेश का तापमान		
स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांी	32.0	20.0
जम्शोापुर	40.0	25.0
हजारीबाग	40.0	21.0
डालटनगंज	41.0	23.0

संक्षिप्त खबरें

दो बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

दुर्गा/रायपुर। विशेष पुलिस बल (एसटीएफ) की टीम ने शनर्ावार को दुर्ग के जयंती नगर से दो बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन महिलाओं के विरुद्ध विदेशी नागरिक विषयक अधिनियम 1986 एवं भारतीय पासपोर्ट अधि. 1967 एवं पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधि. 1920 के तहत कार्रवाई की है। इसके पहले पुलिस ने गत दिनों भिलाई में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इन घुसपैठियों द्वारा अपनी पहचान छुपाने के लिए फर्जी एवं कूटर्चित दस्तावेज बनवाया गया है।

बैंक घोटाले का वांछित अंगद सिंह चंडोक अमेरिका से प्रत्यर्पित

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए बैंक धोखाधड़ी मामले में वांछित और रेड नोटिस जारी अपराधी अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। आरोपित को 23 मई को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया, जहां उसे सीबीआई ने हिरासत में लिया। वर्ष 2014 में अंगद सिंह चंडोक पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप लगे। उसपर अपने परिवार के सदस्यों-पिता सुरेंद्र सिंह, मां हरलीन कौर और भाई हर्षबीर सिंह के साथ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप है। वर्ष 2016 में वह अपने परिवार सहित भारत से फरार हो गया। इसके बाद अदालत ने उन्हें अपराधी घोषित किया और उनके खिलाफ खुले वारंट जारी किए। सीबीआई ने 22 मार्च 2017 को अंगद सिंह के खिलाफ इंटरपोल से रेड नोटिस जारी करवाया। इंटरपोल के माध्यम से कई वर्षों की कड़ी निगरानी के बाद उसे अमेरिका से भारत लाया गया।

कोरोना

फिर बढ़ने लगे कोरोना के केस, तीनों संक्रमित मरीजों की जीनोम सिक्वेंसिंग करवाने के निर्देश

राजस्थान में 48 घंटे में मिले सात नए मरीज

जयपुर। एक बार फिर कोरोना वायरस के मामले सामने आने लगे हैं। राजस्थान में पिछले 48 घंटों के भीतर सात नए कोरोना केस सामने आए हैं। इनमें से चार मरीज जोधपुर के एस अस्पताल में और तीन जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग इन मामलों को लेकर सतर्क हो गया है और वायरस के प्रकार की पहचान के लिए जीनोम सिक्वेंसिंग करवाई जा रही है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने तीनों संक्रमित मरीजों की जीनोम सिक्वेंसिंग करवाने के निर्देश दिए हैं, ताकि यह पता चल सके कि वे किस वैरिएंट से संक्रमित हुए हैं। वर्तमान में कोविड का नया सब-वैरिएंट जेएन.1 फैल रहा है, जिसने कई एशियाई देशों में संक्रमण के मामलों में तेजी ला दी है। जोधपुर एस में मिले चार मरीजों में तीन बच्चे शामिल हैं, जिनकी उम्र पांच

महीने, 11 साल और 12 साल है। इसके अलावा एक 38 वर्षीय युवक भी संक्रमित मिला है। बच्चों में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आना चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल किसी की हालत गंभीर नहीं बताई गई है। जयपुर में शनिवार को मीडिया से बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खैरवसर ने कहा कि फिलहाल कोई पैनिक की स्थिति नहीं है। केंद्र सरकार या स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अभी तक कोई अलर्ट या एडवाइजरी जारी नहीं की गई है, जिससे यह साबित हो कि यह वैरिएंट घातक है। स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि हाल ही में नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) की बैठक हुई थी। विशेषज्ञों ने बताया कि जेएन.1, ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट्स में से एक है और इससे घबराने की जरूरत नहीं

है। यह वायरस गंभीर बीमारियों या मौत का कारण नहीं बनता और रूटीन दवाओं से इलाज संभव है। जेएन.1 वैरिएंट को पहली बार अगस्त 2023 में देखा गया था। दिसंबर 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे रवैरिएंट ऑफ इंटेरेस्टर घोषित किया। इसमें लगभग 30 म्यूटेशन हैं, जो शरीर की इयूनिटी को कमजोर कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह वैरिएंट पहले की तुलना में ज्यादा तेजी से फैलता जरूर है, लेकिन इसके लक्षण गंभीर नहीं होते। इस वैरिएंट के लक्षण कुछ दिनों से लेकर कई हफ्तों तक रह सकते हैं। अगर किसी को लंबे समय तक खांसी, थकान, सांस लेने में दिक्कत या सिरदर्द जैसे लक्षण बने रहते हैं तो यह हल्लाना कोविडह हो सकता है। ऐसे मामलों में डॉक्टर से संपर्क कर जरूरी इलाज लेना चाहिए।

कर्नाटक कोरोना के बढ़ते मामलों को ले राज्य सरकार ने जारी की एडवाइजरी

कर्नाटक सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुये एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने नागरिकों से जरूरी एहतिआत बरतने को कहा है। गर्भवती महिलाओं, बच्चों, गंभीर बीमारी और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष रूप से फस मास्क पहनने की सलाह दी गई है। लोगों को हाथों की स्वच्छता बनाए रखने और नियमित रूप से हैंड सैनिटाइजर के उपयोग की सलाह दी गयी है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुड्ड राव ने कहा है कि इस साल कर्नाटक में कोविड -19 के अब तक 35 मामले देखे गये हैं, जिनमें से 32 बैंगलुरु से हैं। जबकि 3 मामले अन्य जिलों के हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 20 दिनों में कोरोना में वृद्धि देखी गई है, हालांकि अब तक कोई गंभीर स्थिति सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से तैयार है और इसे लेकर लगातार केंद्र के संपर्क में हैं।

भीलवाड़ा जैसे जिलों में अब तक कोई नया मामला सामने नहीं आया है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें सजग हैं। पहले भी कोरोना की लहरों के दौरान यहां कई प्रबंध किए गए थे। सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन से अपील की जा रही है कि घबराने नहीं, लेकिन सतर्क जरूर रहें। मास्क का उपयोग, हाथ धोना

गंगा नदी पर अतिरिक्त पुल का निर्माण या उच्च स्तरीय बांध बनाना भी महत्वपूर्ण है। क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए स्ट्रेटेजिक इंपॉर्टेंट क्षेत्र में आधारभूत संरचना के विस्तार को प्राथमिकता देना पड़ेगा। राज्य में डेडीकेटेड इंडस्ट्रियल माईनिंग कॉरिडोर विकसित करने से सामान्य परिचालन में सुविधा बढ़ जाएगी।

केंद्र सरकार की योजनाओं के मानदंड में कुछ बदलाव की आवश्यकता पर दिया जोर

मुख्यमंत्री ने नीति आयोग को बताया कि झारखंड सरकार सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी कई योजनाएं बनाई है जिसमें पेंशन योजना, मड़ियां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य योजना, आदि प्रमुख है। मुख्यमंत्री ने इस सिलसिले में केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के मानदंड में कुछ बदलाव की आवश्यकता की बात कही। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार 25 लाख परिवारों को 5 किलोग्राम चावल प्रतिमाह, आयुष्मान योजना से वंचित 28 लाख परिवारों को 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से वंचित 38 लाख गरीब परिवारों को 15 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी सरकार जिलावार हेल्थ प्रोफाइल तैयार कर रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाना चाहिए, जिससे प्रखंड, अनुमंडल और जिला स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हो सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र



की योजनाओं को राज्यों के अनुरूप लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं जैसे मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य योजनाओं की राशि में वृद्धि होनी चाहिए। राज्य में लागू सी एन टी एवं एस पी टी एक्ट के कारण उद्यम के लिए कारक बन रहे है, जिसका वित्त मंत्रालय के समन्वय से निवारण अतिशीघ्र आवश्यक है।

विशेष केंद्रीय सहायता को सभी 16 जिले में लागू रखने की आवश्यकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि उग्रवाद की समस्या से निवारण के लिए सी ए पी एफ की प्रतिनियुक्ति से संबंधित प्रतिधारण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है, जिसे सहकारी संघवाद के सिद्धांत के तहत पूर्ण रूप से खत्म करने की आवश्यकता है। नक्सल समस्या पर प्रकाश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में राज्य के 16 जिले इससे प्रभावित थे जो कि अब 2 जिलों पश्चिमी सिंहभूम एवं लातेहार तक सिमट गया है। फिर भी विशेष केंद्रीय सहायता को सभी 16 जिले

राहुल गांधी ने पुंछ में गोलाबारी के पीड़ितों से की मुलाकात

पुंछ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के पीड़ितों से मुलाकात की और इस नुकसान को एक बड़ी त्रासदी बताया। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उनकी इस दुर्दशा को उजागर करने का संकल्प लिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने पुंछ शहर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित लोगों से एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की, जिसमें वह परिवार भी शामिल थे, जिन्होंने 7 मई से 10 मई के बीच गोलाबारी में अपने सदस्यों को खो दिया। राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि यह एक बड़ी त्रासदी है। कई लोगों की जान चली गई। पाकिस्तानी सेना ने सीधे नागरिक ठिकानों पर हमला किया है। मैंने



लोगों से बात की और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे उनके मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए कहा है, जो मैं करूंगा। बाद में एक्स पर की गई एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आज मैं पुंछ में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा की गई गोलाबारी में जान गंवाने वालों के परिवारों से मिला। क्षतिग्रस्त घर, बिखरा सामान, नम आंखें और प्रियजनों को खोने की दर्द बयां

नीति आयोग 10वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक में 'विकसित भारत' पर जोर,

ऑपरेशन सिंदूर को सर्वसम्मति से समर्थन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल बैठक में हॉविकसित राज्य से विकसित भारतहू की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर गहन चर्चा हुई। बैठक में सभी भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने ऑपरेशन सिंदूर को पूरी एकता के साथ समर्थन दिया। बैठक के बाद नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में तीन क्षेत्रों कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष बल दिया और राज्यों से आग्रह किया कि वे इन क्षेत्रों में संरचनात्मक सुधार और दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और अब एक निर्णायक विकास यात्रा पर निकलने का



समय है। सुब्रह्मण्यम ने बताया कि 36 में से 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बैठक में भाग लिया, जो अब तक की सबसे अधिक भागीदारी है। उन्होंने कहा कि यह दशताई है कि प्रतिनिधि एक सकारात्मक सोच के साथ आए थे। कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, बिहार और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री बैठक में शामिल नहीं हुए। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए विकसित राज्य विजन

डॉक्यूमेंट्स की परिकल्पना—जैसे विकसित बिहार, हॉविकसित ओडिशा आदि—को आगे बढ़ाते हुए इस बैठक में राज्यों को अपने-अपने विकास रोडमैप को राष्ट्रीय दृष्टिकोण से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में पूरी सहमति देखने को मिली। सीईओ सुब्रह्मण्यम ने इसे एक दुर्लभ उदाहरण बताया जब सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बिना किसी मतभेद के एक साझा निर्णय पर सहमति जताई। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने इस बात को रेखांकित किया कि यह बैठक आयोग की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस विचार को दोहराया कि पिछले वर्षों में इस मंच ने सहमति निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने सरकार की विभिन्न उपलब्धियों में योगदान दिया।

अबुआ आवास लभुकों को दूसरा नोटिस जारी तीसरे नोटिस के बाद होगी राशि वसूली - बीडीओ

नव प्रदेश संवाददाता **जयनगर।** प्रखंड अंतर्गत बोडीओ जयनगर के निदेशानुसार प्रखंड की सभी 23 पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना (2023- 24 एवं 2024- 25) के तहत लंबित आवास निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर एक सघन निगरानी एवं नोटिस वितरण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत उन लाभुकों को दूसरा नोटिस जारी किया गया,



सरकारी नियमों के अनुरूप लाभुक से अनुदान राशि की वसूली की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई



से सड़क पर भारी वाहनों का परिचालन बंद किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में राजीव रंजन के अलावे संजय जायसवाल, पूर्व मुखिया अवधेश मेहता, अखिलेश मेहता, शंभु यादव आदि शामिल थे।

जेजेएमपी सुप्रीमो समेत दो नक्सली ढेर

लातेहार : लातेहार सदर थाना क्षेत्र के सलेया जंगल के पास शुक्रवार की देर रात पुलिस और जेजेएमपी नक्सलियों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई है. इस मुठभेड़ में नक्सली संगठन के सुप्रीमो समेत दो नक्सली मारा गया है. पलामू रेंज के डीआईजी वाई एस रमेश ने इसकी पुष्टि की है. दरअसल, लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी. जिसमें बताया गया कि नक्सलियों

लाभुक को पक्का घर को समय पर पूर्ण कराने की दिशा में एक सशक्त कदम है। प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने कहा आवास योजना केकेवल एक सरकारी सुविधा नहीं, बल्कि लाभुकों की जिम्मेदारी भी है। शासन- प्रशासन की जवाबदेही तय है, लेकिन लाभुकों की सहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है। तय सीमा में निर्माण कार्य पूरा करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

बताया कि दोनों नक्सलियों के शव को पुलिस ने बरामद कर लिया है . उन्होंने कहा कि पुलिस के द्वारा सर्व अभियान चलाया जा रहा है.क्षेत्र में सक्रिय था जेजेएमपी संगठन बताया जाता है कि जेजेएमपी नक्सली संगठन लातेहार जिले और आसपास के जिले में काफी सक्रिय था. पुलिस के द्वारा नक्सली संगठन के खिलाफ पिछले दिनों से लगातार कार्रवाई का जा रही थी. शुक्रवार की रात मिली सटीक सूचना के तहत पुलिस ने घेराबंदी की और दो नक्सलियों को ढेर कर दिया।

बिजली पोल हटाने को लेकर सौंपा झापन

हरिहरगंज पलामू।हरिहरगंज शहरी क्षेत्र के एनएच 139 मेन रोड बाजार तथा आसपास सड़क से सटे बिजली पोल को हटाने को लेकर समाजसेवी सह भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन ने हरिहरगंज सीओ मनीष कुमार सिन्हा को ज्ञापन सौंपा है। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि सड़क पर बिजली के खंभे होने

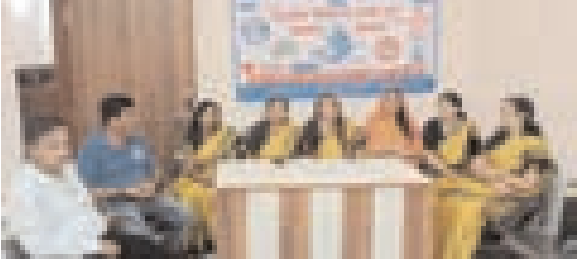
लातेहार में नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़, जेजेएमपी सुप्रीमो समेत दो नक्सली ढेर

बकावडीह लातेहार।लातेहार सदर थाना क्षेत्र के सलेया जंगल के पास शुक्रवार की देर रात पुलिस और जेजेएमपी नक्सलियों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई है. इस मुठभेड़ में नक्सली संगठन के सुप्रीमो पप्पु लोहरा समेत दो नक्सली मारा गया है. पलामू रेंज के डीआईजी वाई एस रमेश ने इसकी पुष्टि की है. दरअसल, लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी. जिसमें बताया गया कि नक्सलियों का एक दस्ता सलेया जंगल के आसपास ठहरा हुआ है. सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम चारों ओर से घेराबंदी कर नक्सलियों के खिलाफ छापेमारी शुरू की. इस बीच पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई. इस मुठभेड़ में जेजेएमपी के सुप्रीमो समेत दो नक्सलियों के मारे जाने की सूचना है. पलामू डीआईजी वाई एस रमेश ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों नक्सलियों के शव को पुलिस ने बरामद कर लिया है. उन्होंने कहा कि पुलिस के द्वारा सच अभियान चलाया जा रहा है.क्षेत्र में सक्रिय था जेजेएमपी संगठन बताया जाता है कि जेजेएमपी नक्सली संगठन लातेहार जिले और आसपास के जिले में काफी सक्रिय था. पुलिस के द्वारा नक्सली संगठन के खिलाफ पिछले दिनों से लगातार कार्रवाई की जा रही थी. शुक्रवार की रात मिली सटीक सूचना के तहत पुलिस ने घेराबंदी की और दो नक्सलियों को ढेर कर दिया.

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मिशन समृद्धि तत्पर

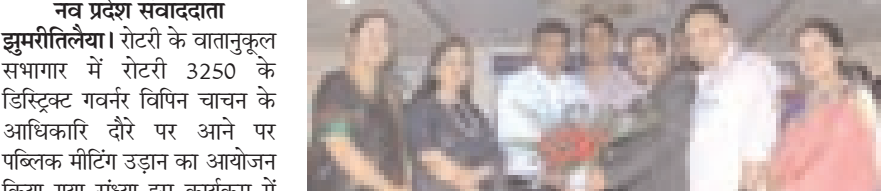
मेदिनीनगर पलामू।मिशन समृद्धि संस्था के तहत चल रहे समृद्धि की पाठशाला के बच्चों को नैतिकता के साथ-साथ उनका सर्वांगीण विकास कैसे हो इस पर भी प्रयास जारी है। मेदिनीनगर के पांकी रोड जनकपुरी तथा कचरवा में पाठशाला निरंतर चल रहा है। बच्चे जिन्हें पढ़ाई के प्रति जरा भी लगाव नहीं था आज उन्हें पढ़ाई करना अच्छा लगने लगा है। सच्चाई यह है कि इस वर्ग के बीच शिक्षा का लो जलाना एक चुनौती रहा है। इस चुनौती को मिशन समृद्धि संस्था स्वीकार करते हुए आगे बढ़ती रही है। बच्चों को सांस्कृतिक चित्रकला खेलकूद सभी के प्रति रूझान हो इसके प्रति संस्था हमेशा सजग रहती है। कचरवा जाकर पाठशाला चलाना कोई आसान काम नहीं लेकिन यह संस्था बहुत कठिनाइयों के बावजूद भी वहीं जाना जारी रखा है। समाजिक सेवा में शिक्षा का महत्व हमारी संस्था ने सर्वोपरि रखा है क्योंकि परिवार समाज और राष्ट्र के विकास में सबों का शिक्षित होना अनिवार्य होना चाहिए। अध्यक्ष शीला श्रीवास्तव ने कहा कि आज के बच्चे जिनके नींव में हमें शिक्षा का बीज बोना है जो आगे चलकर उन्हें यह दिखाएगा। इन सारे कार्यों में शहर के एक मसीहा ने अपना बड़ा योगदान दिया है जिसके बल पर हम बच्चों की गतिविधियों को सुचारु रूप से चला पा रहे हैं। उनका आभार हम सबको मानना चाहिए। यह आठ वर्षों से संसाधनहीन होकर भी सभी कार्य करती रही, इसी का परिणाम स्वरूप हम सबको मसीहा का सहयोग प्राप्त हुआ। पाठशाला में अहिल्या गिरि बैजन्ती गुप्ता रंजीता वीणा राज शालिनी श्रीवास्तव संस्था शेखर ऋषि नैसी गुप्ता ममता सबों का सराहनीय योगदान रहता है।

पंख एक नई दिशा का 1 जून को 11 वर वधुओं का दहेज रहित सामूहिक विवाह एक प्रशंसनीय आयोजन



धनबाद: गणपति ईस्टेट्यूट, शिवम कॉलोनी में सामाजिक संस्था पंख एक नई दिशा की सदस्य्याओं ने प्रेस वार्ता आयोजित कर मीडिया को बताया कि आगामी 1 जून को आमंत्रण विवाह स्थल, धईया में दहेज रहित जकरूमत 11 जोड़ो का पूरे विधि विधान से सामूहिक विवाह कराएगी। संस्था की अध्यक्ष पिंकी गुप्ता ने बताया कि 26 मई को सभी 11 वर को शादी का ड्रेस, वधुओं को लहंगा देने का कार्यक्रम है।31 मई को मेहंदी का रस्म एवं लेडीज संगीत का कार्यक्रम है। 1 जून को 11 बजे सुबह बारात टोटो को फूल माला से सजा कर, बैड बाजा संगैत निकाला जाएगा। इस सामूहिक विवाह को सफल बनाने की तैयारियों में संस्था की पिंकी गुप्ता,सुषमा प्रसाद,नमता गुप्ता , गायत्री गुप्ता, सुधा गुप्ता, रेखा गोयल, बबिता सिंह,रंजना सिंह,कल्पना रंजन, नीतू मुस्कन, सुशीला ओझा,पूनम सिंह मनवीर गुप्ता,शशि शेखर गुप्ता जुटे है। सुषमा प्रसाद ने बताया कि 1जून को सामूहिक शादी के दिन रक्तदान का आयोजन किया गया है एक तरफ शादी की रस्में होंगी और साथ ही रक्तदान शिविर में जकरूमतद लोगों के लिए रक्तदान किया जाएगा। आगे कही की कन्यादान के साथ रक्तदान महादान संस्था का थीम है। वहीं शादी स्थल के समीप कैप लगा के हॉस्पिटल के ब्लड बैंक की टीम उपस्थित रहेगी। शादी संपन्न होने के बाद सभी वधुओं को अपनी बेटी की तरह विदाई दी जाएगी।और उन्हें गृहस्थी बसाने के लिए उपहार स्वरूप बर्तन,गद्दा, तकिया, पेटी,सिंगार का पूरा सामान, पलंग समेत अन्य सामग्री प्रदान किया जाएगा।

रोटरी कोडरमा समाज के बीच अपने कर्तव्यों का अच्छे से निर्वहन कर रही : डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विपिन चाचन



नव प्रदेश संवाददाता**झुमरीतिलैया।** रोटरी के वातानुकूल सभागार में रोटरी 3250 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विपिन चाचन के अधिकारि दौरे पर आने पर पब्लिक मीटिंग उड़ान का आयोजन किया गया संध्या इस कार्यक्रम में कई सामाजिक संस्था एवं बुद्धिजीवी वर्ग की मौजूदगी में रोटरी कोडरमा द्वारा किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया मंडलाध्यक्ष के आगमन पर पहले रस्म में जकरूमतमें बालिकाओं के बीच रोटरी कोडरमा के द्वारा 16 साइकिल का वितरण एवं रोटरी व्हील चक्र की स्थापना मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्रांगण में की गई रोटरी के सभी परमार्सेट प्रोजेक्ट के डायरेक्टर और अध्यक्ष के द्वारा

जोन रोटरी के कार्यों को मुख्य अतिथि के बीच रखा मंच संचालन मोहक सुल्तानिया ने किया मुख्य अतिथि विपिन चाचन ने अपने संबोधन में कहा कि रोटरी कोडरमा समाज सेवा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर रही है जो आने वाले दिनों में मील का पथर साबित होगा पूरे वर्ष भर रोटरी कोडरमा के सदस्यों ने तन मन धन लगाकर जकरूमतमें की सेवा की है रोटरी संगठन के नेतृत्व में इंटेक्ट क्लब एवं आज रोट्रेक्ट क्लब का इंस्ट्रोलेशन हुआ है युवा जुड़े हैं जिससे रोटरी में कार्य को और गति मिलेगी रोटरी कोडरमा के सभी सदस्य पीपलफु एवं एरे क्लब के सदस्य हैं यह जिला रोटरी के लिए सम्मान एवं गौरव की बात है अध्यक्ष अमित कुमार एवं उनकी पूरी टीम बधाई के

रोटरी के पूर्व अध्यक्ष जयकुमार गंगवाल त्रिशला गंगवाल के शादी के वर्षगांठ रहने पर केक काटा गया एवं उनको बधाई दी गई धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर कोषाध्यक्ष नवीन आर्य ने दिया इस मौके पर हजारीबाग जागृति क्लब से मॉदिरा गुप्ता स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक अमर सिंह राजेंद्र शर्मा अविनाश सेठ संजय अग्रवाल सुधीर कुमार अशोक बरगवाल आरएएसएस के दिलीप सिंह जैन सम्मान के पूर्व अध्यक्ष ललित सेठी कोषाध्यक्ष सुरेंद्र काला कई सामाजिक सेवा संस्था के सदस्य एवं रोटरी कोडरमा के अध्यक्ष मौजूद थे यह सभी जानकारी पब्लिक रिलेशन के डायरेक्टर सह मीडिया प्रभारी नवीन जैन ने दी।

एक नजर

आरपीवाई बीएड कॉलेज में सिविल डिफेंस वॉरियर्स पंजीकरण शिविर का आयोजन

नव प्रदेश/कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में शुक्रवार को मेरा युवा भारत केन्द्र, कोडरमा व महाविद्यालय के आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में सिविल डिफेंस वॉरियर्स पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार मौजूद रही। कैम्प में उपस्थित बीएड प्रशिक्षुओं को नेहरू युवा केन्द्र के एपीए नख्तर परवेज द्वारा सिविल वॉलंटियर के रूप में पंजीकृत होने के लिए प्रोजेक्टर पर पीपीटी के माध्यम से पंजीकरण की प्रक्रिया को बताया गया। साथ ही सभी को औपेी द संयॉट रजिस्ट्रेशन भी कराया गया। विदित हो कि, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा माई भारत पोर्टल के माध्यम से युवाओं को सिविल डिफेंस भोलंटियर के रूप में संगठित किए जाने की महत्वाकांक्षी पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल का उद्देश्य आपातकालिन परिस्थियों जैसे प्राकृतिक आपदाओं, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा एवं पुनर्वास कार्यों में स्थानीय प्रशासन को सहयोग प्रदान करने हेतु एक प्रशिक्षित, उत्तरदायी एवं अनुशासित युवा स्वयंसेवकों का गठन करना है। यह पहल न केवल युवाओं में नागरिक उत्तरदायित्व एवं अनुशासन की भावना विकसित करेगी, अपितु उन्हें जीवन रक्षक व्यवहारिक प्रशिक्षण से भी सम्पन्न बनाएगी। जिससे वे संकट की घड़ी में देश एवं समाज की सेवा कर सकें। मौके पर मेरा युवा भारत केंद्र के एमटीएस सोनू कुमार, सहायक प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार, राजेश पांडेय, मो. सेराज, विनोद यादव, रविभूषण सिंह, आनंद कुमार, खुशींद अली, अनिल कुमार, किशोर कुमार, कमलेन्द्र नाथ त्रिपाठी, डॉ. हरररण सिंह, शिक्षकेतर कर्मचारी मिथिलेश कुमार, सुजीत कुमार, श्रवण कुमार, शाहिद खान, सेण्ट्रु कुमार, गौरव सिन्हा, संहित प्रशिक्षुगण मौजूद रहे।

नवनियुक्त प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष को नियुक्ति पत्र एवं शॉल पहनाकर किया गया सम्मानित

नव प्रदेश/कोडरमा। जिला कांग्रेस कमेटी के नोडल पदाधिकारी सह पर्यवेक्षक राजीव रंजन का कोडरमा आगमन हुआ। इस दौरान उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनके द्वारा नवनियुक्त कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अनिल दास को नियुक्ति पत्र एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रखंड अध्यक्ष को आदेश दिया गया है कि अपना-अपना प्रखंड कांग्रेस कमेटी बैठक कर तैयार करें। जिससे कोडरमा जिला में कांग्रेस पार्टी और मजबूत हो सके। नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्ष अनिल दास के द्वारा जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी से आग्रह किया गया कि कल दिनांक 25/5/ 2025 को समय 10:30 बजे ब्लॉक परिसर में कांग्रेस प्रखंड कमेटी विस्तार हेतु एक बैठक बुलाई गई है। जिससे चंदवारा प्रखण्ड कांग्रेस कमेटी का विस्तार हो सके। मौके पर जिला पर्यवेक्षक राजीव रंजन, प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिकू, जिला अध्यक्ष भागीरथ पासवान, जिला उपाध्यक्ष चंद भूषण साव, चंदवारा प्रखण्ड पर्यवेक्षक नरनौत ओझा, पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष प्रमोद कुमार बरनवाल, मंडल अध्यक्ष उमाशंकर रावैदास, यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष संजय कुमार दास, अरविंद सेठ, प्रदीप सिंह, महा प्रसाद गोस्वामी, गोरी शंकर कुमार, किशुन दास, अजय कुमार, इत्यादि मौजूद रहे।

डीडीसी के औचक निरीक्षण से कर्मचारियों में हड़कंप

नव प्रदेश/सतगावां। कोडरमा उप विकास आयुक्त क्यूतूरज द्वारा शनिवार को सतगावां का सघन दौरा किया गया। जिसमें जिला परियक्ष मंद से चल रहे विकास योजनाओं का औचक निरीक्षण किया। जिसमें प्रखंड के बेधईध में बन रहे बस स्टैंड के सुस्त चल रहे कार्य पर नाराजगी जताई। साथ ही ढाब, सतगावां रोड एवं प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया मालूम हो की पिछले माह दिशा की बैठक में सतगावां, ढाब सड़क निर्माण में अनियमितता को लेकर जांच की मांग की गई थी। और प्रखंड कार्यालय का भी औचक निरीक्षण कोडरमा उप विकास आयुक्त क्यूतूरज ने किया। डीडीसी के औचक निरीक्षण से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया और कई गाथय पाए गए, अनुपस्थित कर्मचारीयों से स्पष्टीकरण मांगा गया है वही डीडीसी का औचक निरीक्षण के दौरान विकास योजनाओं की समीक्षा में कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए कहा गया। योजनाओं को गति के साथ ही कई तरह के दिशा- निर्देश भी दिए, जिनमें रोकड़ पुस्तक को अद्यतन करने, फाइल को अपडेट करने सभी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने और विकास कार्यों में गति लाने का निर्देश शामिल है. वही जो कर्मचारी बैठक उपस्थित नहीं थे उससे स्पष्टीकरण मांगा गया। इस बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड के क्रमी उपस्थित थे सतगावां अंचल अधिकारी केशव प्रसाद चौधरी, पचायत सचिव, पंचायत सेवक, रोजगार सेवक, एवं अन्य प्रखंड कर्मी मौजूद रहे।

38 सीसीटीवी कैमरे पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने कहा, अपराध नियंत्रण में मिलेगी मदद

नव प्रदेश संवाददाता/झुमरीतिलैया। कोडरमा जिला सेक्टर ऑफ कॉमर्स द्वारा झंडा चौक पर सीसीटीवी कैमरा पुनर्स्थापन कार्यक्रम दिन शनिवार को आयोजित किया गया। उद्घाटनकर्ता पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने इस अवसर पर कहा कि सीसीटीवी कैमरों की स्थापना से शहर में अपराध पर अंकुश लगेगा, और मामलों की तहकीकात में तेजी आएगी। कार्यक्रम में डीएसपी रतीभान सिंह, प्रशिक्षु डीएसपी दिवाकर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रदीप केडिया, सचिव राम रतन महार्षी, कोषाध्यक्ष अविनाश सेठ, उपाध्यक्ष महेश दारुका, प्रदीप हिसारिया, सतीष सिन्हा जगदीश अजमाणी, विनय सिंह, और अन्य सदस्यों ने भाग लिया। पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित जनसमुदाय को यह भी सलाह दी कि अपने घरों और व्यवसायों के आसपास कैमरे लगाएं, ताकि अपराधियों की पहचान करने में प्रशासन को मदद मिल सके। सचिव राम रतन माहर्षी ने कहा, रहम सभी को मिलकर कार्य करना होगा, ताकि हम अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकें।इ इस पहल का उद्देश्य झुमरी तिलैया में सुरक्षा को और सशक्त बनाना है। झुमरी तिलैया शहर में सीसीटीवी के पुनर्स्थापन हेतु सहयोगकर्ता, एसपी अनुदीप सिंह, डीएसपी दिवाकर कुमार, प्रदीप केडिया, आर आर महार्षी, सीए प्रदीप हिसारिया, अविनाश सेठ, बिरु फर्नीचर, आशीष केडिया, कैलाश चौधरी त्रिदत्त तिवारी, विवेक साराफ, मनीष पेरीवाल, विनय सिंह, नालद दारुका, संजय अग्रवाल, जमुनादास मन्नलाल, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक सेठ, गौरव खटौर,श्याम सुंदर मेहेश्वरी, ए सी ज्वेलर्स, डॉ. सागरमणि, प्रदीप सिंगानिया, हेमंत दुगार, मनोव केडिया (गुड्डा), मोहित साहू, मनोज पिलाविया, रीतेश खांदवाला, दुर्गा सेत्स कोपीरेशन, सीए अंकित खेतान, पीयूष जैन, भल्लव कुमार बरनवाल अमरजीत सिंह, रामरतन महार्षी, प्रदीप हिसारिया इत्यादि मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में नामांकन समिति की बैठक संपन्न



नव प्रदेश/कोडरमा। उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला कार्यकारणी समिति मेधा भारद्वाज की अध्यक्षता में नामांकन समिति की बैठक साहरणालय सभागार में संपन्न हुआ। बैठक में शैक्षणिक सत्र 2025 – 26 में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6,7,8 एवं 9 में रिक सीटों पर नामांकन हेतु प्रखंड स्तर से नामांकन हेतु प्राप्त छात्राओं की सूची का अनुमोदन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में सासद प्रतिनिधि अनूप कुमार यादव, हजारीबाग संसदीय क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि बटी मोदी, बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण प्रसाद यादव, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अंजुला कुमारी, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय की वार्डन उपस्थित थे।

टीओपी 02 थाना प्रभारी व जवान को मिला सफलता



मेदिनीनगर पलामू/टी.ओ.पी.-02 थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कई मामलों में वांछित तेजा उर्फ विशाल ने टी.ओ.पी.-02 थाना प्रभारी राकेश सिंह के लगातार छापों और टाइगर मोबाइल के जवानों की लगातार पेट्रोलिंग के बाद आखिरकार पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।तेजा उर्फ विशाल ने अपने घर के पास बितोलिन से पुलिस को आत्मसमर्पण किया। इस पुलिस टीम में टाइगर मोबाइल के जवान मुकेश सिंह, शिवनाथ सिंह और टाइगर मोबाइल के कई अन्य जवान भी शामिल थे। गौरतलब है कि तेजा उर्फ विशाल ने कानून भुल्लाना में श्याम साहू, को गोली मारी थी और वह कई अन्य लूटपाट की घटनाओं में भी शामिल रहा है। टी.ओ.पी.-02 थाना प्रभारी और टाइगर मोबाइल के जवान इस सफलता के हकदार हैं।



पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पंक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पंक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जाने और करीब से।

र र र या
पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्कैल्स ही असल में पंक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह केराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

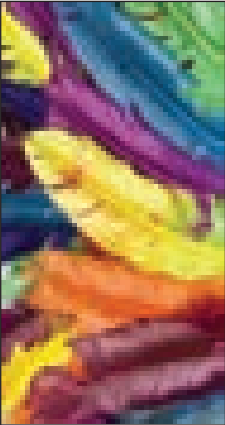
ो र चो
पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पंक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पंक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रगों का मेल रंग
पंछियों के पर किएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होती है।

रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्राथमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग



चा र
ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पंक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।



रोचक तं
पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पंक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शुज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वाली हवा के कारण पैदा होती है।

क । उहक । सु का ल । ह कु । स सु ह ह हो । स सु । सु । हो । स । ह ।

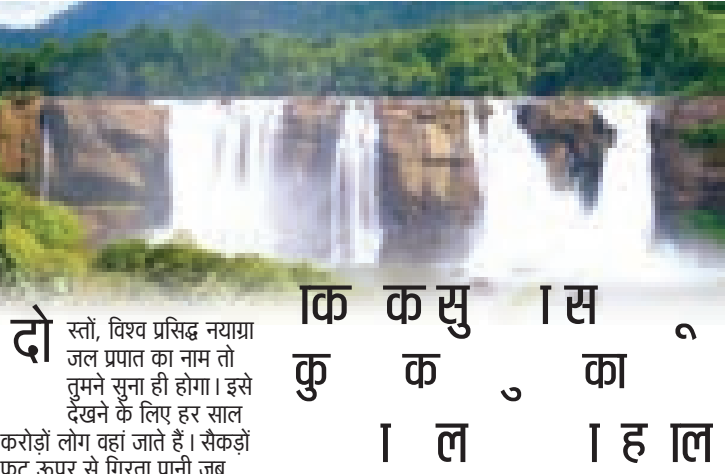
कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को



ध्यान से सुनो हर बात

जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

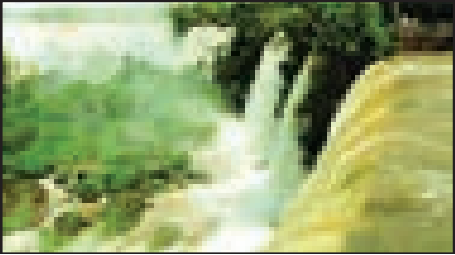
क र कितना ुनो
सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती हैं। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।



दोस्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रृंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन का आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापल्ली और वाज्जवाल। केरल के थिरुस्सर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बायीं ओर दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्जवाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटी के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग

क क सु । स कु क । ल । ह ल

बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गुंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। किनक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्जवाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्जवाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।



टं
इ का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा टंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर थे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा टंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा। जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी टंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे। जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा। अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा। नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया। अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा टंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना टंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा। बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देंगे। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह अपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं। बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है। रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा टंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कंप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी टंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता। गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहाँपना, पास ही मैं एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा। ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांडी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा। यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।



बीरबल की खिचड़ी

तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया। वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता। बीरबल ने कहा, जी हाँ जहाँपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया। अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए। राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसे खिचड़ी बनाते हो? जी हां जहाँपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है राजा ने कहा। समय बीतता जा रहा था और राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है। बीरबल ने जवाब दिया, बस जहाँपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी। अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ। ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बीरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांडी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांडी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी। पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांडी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांडी तक पहुंचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांडी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा। यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

क्यों जनता भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढोये?

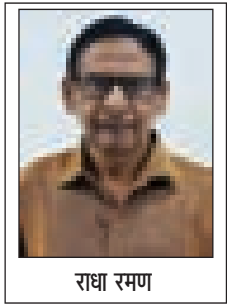


भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ एवं संवेदनशील मौका है। अब इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारीयों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा भी सार्वजनिक किया। जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और जांच कमिटी बनाकर उसकी रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गंद सरकार और संसद के पाले में है। महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। अब अगर जस्टिस वर्मा का यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। लेकिन विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है? ताकि जजों के भ्रष्टाचार की उचित सजा उनको मिल सके, ऐसी प्रक्रिया से ही न्यायपालिका बिना किसी डर,

दबाव या लालच के अपना कर्तव्य भी निभा सके। भ्रष्टाचार की परतें अपराधियों एवं भ्रष्ट लोगों को बचाने तक ही सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों का निवाला भी खीन रही है। सरकार गरीबों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं, लेकिन बड़ा स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरूआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और वे अपना भरण-पोषण कर सकेंगे मगर शुरूआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसी का त्रासद उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है। गुजरात ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों में भी मनरेगा में बड़े

पैमाने पर भ्रष्टाचार के किस्से उजागर हो रहे हैं। मुजफ्फरपुर में भी मनरेगा भ्रष्टाचार का शिकार हो गया है। जिले के कई ब्लॉक में मनरेगा में भ्रष्टाचार हो रहा है। फर्जी हाजिरी और फोटो घोटाले से हर दिन लाखों रुपये की लूट हो रही है। एक ही फोटो को बार-बार इस्तेमाल करके लाखों रुपये निकाले जा रहे हैं। गुजरात में मंत्री के बेटों के द्वारा मनरेगा लूट एवं भ्रष्टाचार अधिक परेशान करने वाला एवं चिन्ता में डालने वाला है। नेता, मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर अब नेता खलनायक बन गया है। नेतृत्व व्यवसायी एवं भ्रष्टाचारी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है। जबकि नेता तो पिता का पर्याय था। उसे पिता का किरदार निभाना चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है। अब तक आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल आदि राजनीतिक दलों में ही भ्रष्टाचार के किस्से सामने आ रहे थे, अब भाजपा नेताओं एवं मंत्रियों पर भी ऐसे आरोप लगना ज्यादा चिन्ताजनक है। प्रश्न भाजपा का ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो, उसके खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा के राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी दल के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का बुगल बजाय हुए हैं तो यह नये भारत, सशक्त भारत, ईमानदार भारत बनाने की सार्थक पहल है। राजनीतिज्ञों, जजों, प्रशासनिक अधिकारियों की साख गिरेगी, तो राष्ट्र की साख बचाना भी आसान नहीं होगा। चहुंओर पसरे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से विकास के दावों का विद्रूप रूप ही सामने आता है। हमारे पास कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टाचार के बाद तीसरा नंबर कीचड़ उछाल राजनीतिक का भी है, जिसमें गलत को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही ऐसे ओजार है, जो देश को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का ममला काफी गहरा है और इससे खिलाफ आरपार की लड़ाई के लिए काफी कठोरता, निष्पक्षता, वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, सख्त कदम उठाने की अपेक्षा है। ऐसी ही उम्मीदभरी एवं भ्रष्टाचार-निरोधक कार्रवाई से भारत का लोकतंत्र समृद्ध हो सकेगा।

किस करवट बैठेगी बिहार की सियासत



राधा रमण

आर्थिक तौर पर पिछड़ा माना जानेवाला बिहार राजनीतिक रूप से काफी जागरूक प्रदेश रहा है। 90 के दशक तक बिहार की सियासत कांग्रेस समर्थन और कांग्रेस विरोध पर टिकी थी। लेकिन 1990 की 10 मार्च को लालू प्रसाद यादव के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से अब तक बिहार की राजनीति लालू समर्थन और लालू विरोध पर केंद्रित हो गई है। बहुचर्चित चारा घोटाले में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने और जेल जाने से लेकर सजायाफ्ता होने के बावजूद लगभग 35 वर्षों से बिहार की सियासत में लालू एक बड़ा मुद्दा हैं। यहां तक कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पिछले 20 वर्षों से लालू समर्थन और लालू विरोध की लहर पर सवार होकर ही सत्ता सुख भोग रहे हैं। भले ही चुनाव आयोग ने अभी तक बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा नहीं की है, लेकिन नवंबर-दिसंबर में वहां विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। बात राजनीतिक सरगमी की करें तो पिछले एक साल से सियासी दलों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। पिछले करीब 16 वर्षों से बिहार की सत्ता में छोटे भाई की भूमिका का निर्वहन कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बार येन केन प्रकारेण बिहार की सत्ता पर काबिज होने के लिए कमर कस चुकी है। बोते एक

साल में शायद ही कोई हफ्ता होगा जब कोई केंद्रीय मंत्री बिहार में नहीं रहा होगा। हर हफ्ते राज्य में केंद्रीय मंत्रियों का दौरा लगा ही रहता है। इसके अलावा पहली बार राज्य सरकार में भाजपा के मंत्रियों की संख्या जनता दल (यूनाइटेड) के मंत्रियों की संख्या से ज्यादा है। यही नहीं, बोते एक साल में पांच बार प्रधानमंत्री बिहार का दौरा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री जब भी बिहार आते हैं हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दे जाते हैं। हालांकि विपक्षी पार्टियां राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस प्रधानमंत्री की घोषणाओं को ढ़पोरशंखी बताते हुए कहते हैं कि उन्होंने साल 2015 के विधानसभा चुनाव के दौरान आरा में सवा लाख करोड़ की आर्थिक सहायता देने की बात कही थी, आज तक नहीं दिया। बात बोते विधानसभा चुनाव की करें तो 2020 के चुनाव में 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में राष्ट्रीय जनता दल को सबसे अधिक 75 सीटें मिली थीं। दूसरे स्थान पर भारतीय जनता पार्टी रही जिसे 74 सीटों पर विजय मिली थी। बोते 20 वर्षों में सत्ता के लिए सबसे मुश्किल रहे नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) को महज 43 सीटों पर संतोष करना पड़ा। इसी तरह कांग्रेस को 19, वाम दलों में भाकपा-2, माकपा-2 और भाकपा माले को 11, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन को 6, जीवनराम मांझी की हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा को 4, बहुजन समाज पार्टी को 1, अपने को 'मोदी का हनुमान' बतानेवाले चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी को 1, निर्दलीय सुमित कुमार सिंह को 1 और शेष 4 सीटें अन्य क्षेत्रीय दलों को मिली थी। लेकिन समय के साथ ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन के पांच और बसपा के 1 विधायक के पाला बदल लेने के कारण फिलहाल बिहार में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन गई

है। फिलहाल उसके 80 , राजद के 77 और जनता दल (यू.) के 45 विधायक हैं। इनमें राजद के 4 विधायक तो तकनीकी रूप से ही राजद में बने हुए हैं। हकीकत में वे सरकार के साथ हो लिये हैं। इसी तरह कांग्रेस के 2 विधायक भी अंदरखाने पाला बदल चुके हैं। नीतीश कुमार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। वह वर्ष 2000 में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। हालांकि महज सात दिनों के लिए। इतनी बार और इतने लंबे समय तक मुख्यमंत्री बननेवाले वह बिहार के पहले राजनेता हैं। वैसे तो नीतीश की राजनीति लालू विरोध की रही है लेकिन इस दौर में दो बार 2013 और 2022 में वह राजद के समर्थन से भी मुख्यमंत्री बने हैं। इसीलिए तेजस्वी यादव उन्हें पलटू चाचा भी कहते हैं। चूँकि नीतीश के समर्थन के बिना बिहार में न तो भाजपा सत्ता की सीढ़ी तक पहुंचती है न ही राजद। इसलिए नीतीश दोनों दलों की मजबूरी हैं। कभी वह राजद के साथ मिलकर भाजपा को ढ़पोरशंखी और साम्प्रदायिक पार्टी बताते हैं तो कभी भाजपा से गलबहियां करके लालू के राज को जंगलराज बताकर लोगों से समर्थन मांग लेते हैं। विविधा की सियासत के नीतीश माहिर खिलाड़ी हैं। बिहार की सियासत पर बारीक नजर रखनेवाले लोग बताते हैं कि नीतीश इस बार कठिन राजनीतिक चुनौती में फंस गए हैं। विधायकों की संख्या अधिक होने के कारण भाजपा इस बार स्वाभाविक तौर पर अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहेगी। दूसरे, इस चुनाव में नीतीश को भरे मन से चिराग की पार्टी के लिए भी प्रचार करना पड़ेगा। ज्ञात रहे कि 2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग की लोजपा की वजह से ही नीतीश की जदयू को 78 से 43 सीटों पर सिमट जाना पड़ा था। नीतीश के लिए इस बार बड़ी चुनौती जनसुराज के विस्थापक और चुनाव लड़ानेइज्जताने में माहिर प्रशांत किशोर बनेंगे। प्रशांत किशोर (पीके) कभी

जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे। कई मौकों पर नीतीश कुमार ने यह खुलासा किया था कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कहने पर उन्होंने प्रशांत किशोर को पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया था। अब पीके ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी 'जनसुराज' राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पीके अपनी सभाओं में नीतीश और तेजस्वी पर ही निशाना साधते रहे हैं। इस बीच प्रशांत ने अपनी पार्टी 'जनसुराज' में पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके रामचन्द्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) की पार्टी 'आप सबकी आवाज' का विलय करारक बड़ा दांव चल दिया है। रामचन्द्र प्रसाद सिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे हैं। वह नीतीश के गृह जिले नालंदा के ही मूल निवासी हैं और जाति से कुर्मी हैं। वे राजनीति में आने से पहले कई वर्षों तक बिहार के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रहे हैं। उन्हें नीतीश ही राजनीति में लेकर आये थे। कुछ वर्षों तक वे परोक्ष रूप से जदयू के फंड मैनेजर भी थे। बाद में खुश होकर नीतीश ने उन्हें राज्यसभा भेज दिया और पार्टी ही सौंप दी। मोदी -2 सरकार में रामचन्द्र प्रसाद सिंह इस्पात मंत्री थे। बाद में जदयू से अलग होने पर भाजपा में चले गए। अब चुनाव से ठीक पहले रामचन्द्र प्रसाद सिंह के भाजपा छोड़कर सक्रिय होने से जाहिर है नुकसान नीतीश का ही होगा। बिहार की राजनीति के जानकार पहले से ही 'जनसुराज' को भाजपा की बी टीम बताते रहे हैं। अब प्रशांत और आरसीपी दोनों के साथ आने से सबसे ज्यादा बेचैनी जदयू और उसके हितचिंतकों को ही है। तभी तो जदयू के मुख्य प्रवक्ता और वर्षों से नीतीश के साथी रहे नीरज कुमार पीके और आरसीपी दोनों को विपैला सांप बता रहे हैं। यही नहीं केंद्रीय मंत्री जीवनराम मांझी भी दोनों को विषाणु और कीटाणु कह रहे हैं।

पर्यावरण चिंतन : आधुनिकता की आग में जलते शहर

एक्सट्रीम हीट इज इंपैकिंग इंडिया' के नवीनतम अंकड़ों ने भारत में ताप संकट की भयावहता को रेखांकित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के लगभग 57 प्रतिशत जिले, जहां देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी निवास करती है, अब 'उच्च' से 'बहुत उच्च' ताप जोखिम वाली श्रेणियों में आ चुके हैं। 734 जिलों के 40 वर्षों के जलवायु और सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण के आधार पर तैयार किए गए इस अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ है कि 417 जिले अब स्थायी रूप से उच्च ताप संकट में हैं। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो भारत 2030 तक लगभग 3.5 करोड़ पूर्णकालिक रोजगार खो सकता है और जीडीपी में 4.5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। पिछले वर्ष 1 मार्च से 18 जून के बीच हीटस्ट्रोक के 40 हजार से अधिक मामले सामने आए थे और 110 से अधिक मौतें दर्ज हुई थीं। उत्तर भारत में वर्तमान में हीटवेव की स्थिति ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान के पिलानी, गंगानगर और चुरू में तापमान 47 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है, वहीं उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और बांदा में भी तापमान 46 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया जा चुका है। दिल्ली में भी तापमान 44 डिग्री को पार कर गया है। यह स्थिति अब केवल दिन की गर्मी तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि विभिन्न रिपोर्टों से स्पष्ट होता है कि रात के तापमान में भी खतरनाक वृद्धि हो रही है। पिछले एक दशक में देश के प्रमुख शहरों में बहुत गर्म रातों की संख्या तेजी से बढ़ी है। मुंबई में हर वर्ष

औसतन 15, बंगलुरु में 11, भोपाल और जयपुर में 7-7, दिल्ली में 6 और चेन्नई में 4 अतिरिक्त गर्म रातें दर्ज की गई हैं। यह परिघटना इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि जब रात में शरीर को ठंडा होने का मौका नहीं मिलता तो गर्मी से संबंधित बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। शहरीकरण की बेतहाशा गति और हर क्षेत्रों में कटौती ने 'अर्बन हीट आइलैंड इफ़ेक्ट' को बढ़ावा दिया है, जिससे महानगरों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। सीईईडब्ल्यू का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक 300 से अधिक जिलों में स्थानीय हीट एक्शन प्लान तैयार किए जाएं। इन योजनाओं में 'प्री-अलर्ट सिस्टम', 'हीट इंश्योरेंस', 'वर्किंग ऑवर मास्टफिकेशन' जैसे प्रावधान भी जोड़े जाने चाहिए। बहरहाल, जलवायु परिवर्तन की चुनौती अब केवल पर्यावरणीय नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप ले चुकी है। अत्यधिक तापमान से बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं का स्वास्थ्य, श्रमिकों की उत्पादकता और सामान्य जन की जीवन गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। गरीब परिवारों के पास न तो पंखे हैं, न कुलर और न ही पर्याप्त पानी, जिससे वे गर्मी में काम करने पर विवश हैं और अकाल मृत्यु का शिकार हो रहे हैं। दीर्घकालिक दृष्टिकोण से यह स्पष्ट है कि भारत को जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए हर स्तर पर ठोस रणनीति अपनानी होगी। ऊर्जा नीति में बदलाव, सार्वजनिक परिवहन का विस्तार, प्रदूषण नियंत्रण, जल संरक्षण, शहरी नियोजन में हरियाली जे



विस्तार और कमजोर वर्षों के लिए शीतलन तकनीकों की सब्सिडी जैसे कदम अनिवार्य हैं। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को जलवायु न्याय के लिए सशक्त स्वर में अपनी बात रखनी होगी ताकि विकासशील देशों को जलवायु संकट से निपटने के लिए आवश्यक वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्राप्त हो सके। ताप संकट की भयावहता एक स्पष्ट चेतावनी है कि अब अनदेखी का समय समाप्त हो चुका है। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की सच्चाई है और इससे लड़ने के लिए वैज्ञानिक, सामाजिक और नीतिगत स्तर पर समन्वित और ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। यदि हम अभी भी नहीं चेते तो आने वाले वर्षों में गर्मी का यह संकट न केवल बढ़ेगा बल्कि मानव अस्तित्व पर ही संकट गहराता जाएगा।



ललित गर्ग

अब तक आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल आदि राजनीतिक दलों में ही भ्रष्टाचार के किस्से सामने आ रहे थे, अब भाजपा नेताओं एवं मंत्रियों पर भी ऐसे आरोप लगना ज्यादा चिन्ताजनक है। प्रश्न भाजपा का ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो, उसके खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है।

संपादकीय

ईडी को ‘सुप्रीम’ नसीहत

मेलनाडु की खुदरा शराब कंपनी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन । जांच की ईडी की स्वतःस्फूर्त कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट बेहद कड़ी टिप्पणी की और यहां तक कह डाला कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सारी सीमाएं पार कर रहा है और शासन की संघीय अवधारणा । उल्लंघन कर रहा है। राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की याचिका ुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति गैरस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त लिस्टिटर जनरल एस. बी. राजू से दो टूक कहा, प्रवर्तन निदेशालय भी सीमाएं पार कर रहा है। धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) । सख्त धाराओं के दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कई पीठ पहले भी ईडी को जमकर फटकार लगा चुकी हैं। विपक्षी दल तो ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ अक्सर विरोध जताते ही रहते हैं। पीठ ने राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की दलीलों पर गौर करते हुए टीएएसएमएसी के खिलाफ जांच पर फिलहाल रोक लगा दी है। तमिलनाडु सरकार और टीएएसएमएसी का तर्क है कि शराब दुकानों के लाइसेंस देने में कथित अनियमितताओं को लेकर हम पहले ही आपराधिक कार्रवाई शुरू कर चुके हैं। 2014 से अब तक इस



मले में 41 प्राथमिकियां दर्ज की जा चुकी हैं और अब ईडी बीच में दकर टीएएसएमएसी पर ही छपेमारी कर रही है। इस पर पीठ ने टकार लगाते हुए ईडी से तीखा सवाल किया कि आप राज्य द्वारा वालित टीएएसएमएसी पर कैसे छापा मार सकते हैं। तमिलनाडु सरकार संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढांचे के गंभीर उल्लंघन का आरोप जताए हुए अपनी याचिका में कानून के व्यापक प्रश्न उठाए हैं, जिनमें अवद का मुद्दा भी शामिल है। जिसमें ईडी अपने दायरे से बाहर जाकर ैर राज्य के अपराध की जांच करने के अधिकार को हड़पने का प्रयास र रहा है। राज्य सरकार की दलील है कि टीएएसएमएसी को इन थमिकी में से किसी में भी आरोपी नहीं बनाया गया है और कई मामलों वह शिकायतकर्ता हैं। दरअसल, यह मामला राज्य और केंद्र सरकार बीच काफी समय से चल रही चांदमारी का ही एक और नमूना है। समें ईडी तो कभी सीबीआई निशाने पर आते रहते हैं। यह उम्मीद की नी चाहिए कि इस शर्मनाक स्थिति से बचने के लिए ईडी अपनी र्वपण्णाली में बदलाव लाएगी।

वितन-मनन

संतोष का मार्ग

ः ऋषि अपने शिष्य कपिल के साथ श्रावस्ती नरेश के पास गए। ऋषि से तकर नरेश प्रसन्न हुए और उनके आदर-सत्कार में लग गए। इधर कपिल ः सेविका के रूप पर मुग्ध हो गया। उस सेविका ने कपिल से विवाह ने से पहले महर्गे कपड़े और गहने मांगे। कपिल यह सब देने में असमर्थ । सेविका ने इसकी व्यवस्था का तरीका बताते हुए कहा कि जो श्रावस्ती श का प्रातःकाल सर्वप्रथम अभिवादन करता है, उसे वह दो स्वर्ण मुद्राएं न करते है। कपिल रात बीतने के पहले ही नरेश के शयनकक्ष में घुसने ः मगर चोर समझकर द्वारपालों ने उसे पकड़ लिया। नरेश के सामने उसने । बातें सच-सच कह दीं। उसके भोलेपन पर प्रसन्न हो नरेश ने उसकी मांगी चीज देने का वचन दिया। पेल ने एक दिन का समय मांगा। सोचने लगा, दो स्वर्ण मुद्राएं तो कम हैं, ि न सौ मांग लूं, पर वे भी कितने दिन चलेंगी। उसने पूरा राज्य ही मांग था। श्रावस्ती नरेश निःसंतान थे, उन्हें योग्य व्यक्ति की तलाश भी थी। उन्हें पेल योग्य लगा। वह बोले- तुमने मेरा उद्धार कर दिया। मैं तुण्णा रूपी णी के पाश से छूट गया। यह सुनकर कपिल का विवेक जाग्रत हो गया। 'बोला- महाराज, आप जिस दलदल से निकलना चाहते हैं, उसी में मैं ना नहीं चाहता। मुझे कुछ नहीं चाहिए। वह ऋषि के पास गया और उनसे । कुछ कह डाला। ऋषि बोले- कामनाओं का कहीं अंत नहीं होता, लिए जितना अपने परिश्रम और ईश्वर कृपा से मिल जाए, उसी में प्रसन्न संतुष्ट रहना चाहिए।



मुमराह सभी मैच के लिए उपलब्ध रह पायेगे। राहुल के बारे में आगरकर ने कहा कि राहुल ने पहले कप्तानी की, लेकिन तब मैं वहां नहीं था। हम उम्मीद करते हैं कि वह अच्छे प्रदर्शन करें। मुमराह के लिए फिट गेंदबाज के रूप में रहना अधिक महत्वपूर्ण है उनपर कप्तानी का अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा सकता। आगरकर ने जोर देकर कहा कि कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय के लिए चुना जाता है। उन्होंने कहा कि आप कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं चुनते, बल्कि दीर्घकालिक योजना बनाते हैं। हमें उम्मीद है कि शुभमन समय के साथ सीखेंगे।

वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास को लेकर उन्होंने कहा कि विराट ने अप्रैल में ही अपनी संन्यास की योजना को लेकर जानकारी दे दी थी। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी को टीम में शामिल नहीं किये जाने को लेकर आगरकर ने कहा कि शमी अभी पूरी तरह सो फिट नहीं हैं। इसलिए उन्हें शामिल नहीं किया गया है। हाल में शानदार प्रदर्शन को देखते हुए प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और आकाश दीप को शामिल किया गया है।

इंग्लैंड टीसीजी के लिए भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, बी साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जेजेजा, ध्रुव जेजेल, वुमिराट सुन्दर, शारुल ठाकुर, जसप्रीत बांसगढ़न, मोहम्मद सादिक, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

टेस्ट सीरीज का कार्यक्रम

13 जून : बेकेनहम में भारत बनाम इंडिया -ए	20 जून : लीड्स में भारत बनाम इंग्लैंड
2 जुलाई : बर्मिंघम में भारत बनाम इंग्लैंड	10 जुलाई : लॉर्ड्स में भारत बनाम इंग्लैंड
23 जुलाई : मैनचेस्टर में भारत बनाम इंग्लैंड	31 जुलाई : द ओवल में भारत बनाम इंग्लैंड

मुंबई (एनसी)। लंदन, (इएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के दौर पर अगले महीने जाने वाली है। इसकी खास वजह ये है कि टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं होंगे क्योंकि इन दोनों ही दिग्गज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का मानना ? है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी के बावजूद भारत मजबूत होगा। भारत के पास बड़ी संख्या में वर्ल्ड क्लास बल्लेबाज हैं।

बेन स्टोक्स 20 जून से शुरू होने वाली इस सीरीज में घरेलू टीम की अगुआई करेंगे। दिसंबर में बाएं पैर की मांसपेशियों की सर्जरी के बाद टीम में वापसी कर रहे 33 साल के स्टोक्स ने कहा कि कोहली के रूप में भारत को मैदान पर कड़ी चुनौती पेश करने वाले और प्रतिस्पर्धात्मक खिलाड़ी की कमी खलेगी। स्टोक्स ने इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज क्रिकेट बोर्ड द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि भारत के बारे में एक बात यह है कि उनके पास स्तरीय बल्लेबाजों की बड़ी संख्या है, यह अविश्वसनीय है।

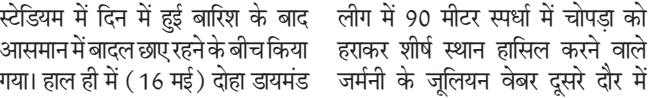
स्टोक्स ने कहा कि शुरुआती टेस्ट में भारत को दबाव में लाने की जिम्मेदारी उनके गेंदबाजों पर होगी। उन्होंने कहा कि हम हमेशा टेस्ट मैच की



कहे। उन्होंने कहा कि भारत को शायद मैच में उनकी मेहनत पर कड़े चुनौती पेश करने की क्षमता, उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता, जीतने की इच्छा की कमी खलेगी। उन्होंने नंबर 18 जर्सी को अपना बना लिया है, है ना? स्टोक्स ने कहा कि इसलिफ हमने किसी भी भारतीय शर्ट के पीछे नंबर 18 नहीं देखा है। उनके भारतीय नई खेलना निराशाजन रहे हों क्योंकि हम दोनों एक दूसरे के खिलाफ खेलते रहे हैं, हम दोनों की मेहनत पर एक जैसी मानसिकता होती है।

चोरजोव (पोलैंड) (एग्नेसी)।
भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पोलैंड में आयोजित ओरलेते जानुस कुयोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में शुक्रवार को दूधों जन्मीनी के जूजियन वेबर के पीछे दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा इस स्पर्धा में अपनी स्वस्थ लय में नहीं दिखे। 27 साल का यह खिलाड़ी अंतिम दौर से पहले तीसरे स्थान पर था। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में अपना भाला 84.14 मीटर की दूरी पर फेंका और दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने इससे पहले अपने दूसरे और पांचवें प्रयास में क्रमशः 81.28 मीटर और 81.80 मीटर की दूरी तय की। उनके अन्य तीन प्रयास फालतू थे।

प्रतियोगिता का आयोजन सिलेसियन



लीग में 90 मीटर स्पर्धा में चोपड़ा को हराकर शीर्ष स्थान हासिल करने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर दूसरे दौर में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम के भारोसेमंद बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने हाल ही में अपनी ऑल टाइम इंडिया टेस्ट इलेवन का ऐलान किया है। पुजारा ने इस टीम में देश के विभिन्न क्रिकेटरों को शामिल किया है, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किए हैं। उन्होंने यह टीम एक पॉइंडकास्ट में बातचीत के दौरान साझा की। ऑपनिंग के लिए पुजारा ने सुनील गावस्कर और वीरेंद्र सहवाग को चुना है। उन्होंने कहा कि दोनों का खेल एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत है। गावस्कर शांत और संयमित, जबकि सहवाग आक्रामक

और बेवौफ बल्लेबाज। नंबर तीन पर पुजारा ने खुद को नहीं, बल्कि राहुल द्रविड़ को रखा और वह स्वीकार किया कि द्रविड़ उनसे बेहतर खिलाड़ी रहे हैं। द्रविड़ को उन्होंने भारतीय क्रिकेट की दीवार बनाते हुए सम्मान दिया। मिडिल ऑर्डर में चौथे नंबर पर सचिन तेंदुलकार, पांचवें पर विराट कोहली और छठे पर वीवीएस लक्ष्मण को रखा गया है। पुजारा ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों की स्थिति उनके लैब्स्यू क्रम के आधार पर तय की है। उन्होंने द्रविड़ को भारतीय की भूमिका को 'कम सराह पाए लोकेन अहम' बताया। गेंदबाजी आक्रमण की बात

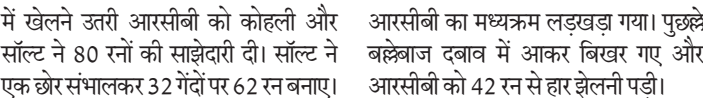
करें तो पूजारा ने दो स्पिरर और तीन तेज
गेंदबाजों को शामिल किया है। स्पिरर विभाग में
अनिल कुंबले और आर अश्विन को चुना गया
जबकि तेज गेंदबाजों के लिए कपिल देव
और जर्ही खान और जसप्रीत बुलारा को जाहद
गई। बुलारा का चयन थोड़ा चौंकाते वाला था
क्योंकि उन्होंने अभी तक केवल 45 टेस्ट खेल
हैं, लेकिन पूजारा का मानना है कि वे ऑस्ट्रे
टारम ग्रेट्स में गिने जा सकते हैं।
कप्तानकी कीप के तौर पर पूजारा ने राहुल
द्रविड का नाम लिया ताकि उन्हें एक अतिरिक्त
खिलाड़ी शामिल करने का विकल्प मिल सके।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी विशेषज्ञ की बात करें, तो वह एमएस धोनी को चुनते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भविष्य में ऋषभ पंत इस स्थान के प्रबल दावेदार हो सकते हैं। इस तरह पुजारा की यह टेस्ट इलेवन अनुभवों और आधुनिक सितारों का संतुलित मिश्रण है।

चेतेश्वर पुजारा ऑल टाइम टेस्ट इलेवन -
सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड,
सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, विवीएस
लक्ष्मण, आर अश्विन, कपिल देव, अनिल
कुंबले, जहीर खान, जसप्रीत बुमराह.

गंदबाजी को इन आक्रामक बल्लेबाजी के स्तर से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है।
समय पर देव मैच ईशान किशन ने कहा कि जब आप पहले बल्लेबाजी करने उतरते हैं और दोनों ओपनर अच्छे लय में दिख रहे होते हैं, है, तो यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप बल्लेबाजी बनाए रखें। जिस क्षण मैंने अभिषेक को हेड को इस तरह से खेल की शुरुआत करते देखा, मुझे लगा कि यह बहुत अच्छा विकेट है और हमें कम से कम 200 रन बनाने होंगे। जब विकेट रिग रहे होते हैं तो आपका ट्रिपलकोन बल्ले जाता है, लेकिन आप लय बनाए रखने की कोशिश करते हैं। इसके लिए आपको कुछ अच्छे शॉट खेलने की जरूरत होती है। जब आप आग्यास सत्र में कड़ी बल्लेबाजी करते हैं तो आपको आत्मविश्वास मिलता है।

ईशाना किशन ने कहा कि मैं सिर्फ अच्छे खेलेने के बारे में सोच रहा था। एक तरफ बड़ी पारी थी और कुछ अंतराल भी। कुल करण प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं हूँ। हम मिलाकर और बेहतर कर सकते थे। मैं भी टीम के लिए और भी बहुत कुछ कर रहा था। यह सीखने का खेला है। एमिशन रहती हैं। आपको बस खुद पर विश्वास है और कड़ी मेहनत कर रहे रहना है। हैदराबाद ने पहले खेले तो हुए अभिषेक और ट्रॉयस के पदों के बदले तेजतर्रार आत की थी। अभिषेक ने 17 गेंदों पर 34 रन बनाकर हेड ने 10 गेंदों पर 17 रन बनाकर। मैंने 24 तो ईशाना किशन ने 48 गेंदों पर 50 रन और पांच छक्के की मदद से 94 रन कर कर स्कोर 231 तक पहुंचा दिया। जवाब



आरसीबी का मध्यक्रम लड़खड़ा गया। पुछल्ले बल्लेबाज दबाव में आकर बिखर गए और आरसीबी को 42 रन से हार झेलनी पड़ी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हर सीजन बल्लेबाजों ने रनों का अंबार लगाया है। 2025 सीजन में अब तक का रिकॉर्ड बना, जिसमें 9 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए, जो टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की बढ़ती आक्रामकता को दिखाता है। इससे पहले, 2018 और 2023 में 8 खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि हासिल की, जबकि 2013 और 2024 में 7-7 बल्लेबाजों ने 500 रन का आंकड़ा पार किया।

दरअसल 2025 सीजन में गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन 638 रन बना चुके हैं, जबकि कप्तान शुभमन गिल भी 500 से ऊपर रन बना चुके हैं। सूची में तीसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं, जिन्होंने 583 रन बनाए हैं। मिशेल मार्श 560 रन के साथ चौथे पायदान पर है। 559 रन के साथ यशस्वी जायसवाल सूची में पांचवें नंबर पर हैं। जबकि नीकोल्स परन 511 रन के साथ छठे स्थान पर

हैं। विराट कोहली भी 505 रन बना चुके हैं। केपल राहुल 504, जो बटलर 500 रन बना चुके हैं।

वहीं आईपीएल के 2013 सीजन में केपल राहुल (659 रन), डेविड वॉर्नर, और क्रिस गैल ने खिलाड़ियों ने 500 से अधिक रन बनाए, जिसने उस सीजन में बल्लेबाजी के लिए यादगार बनाया। 2023 में गिल (890 रन) कोहली (639 रन) ने शानदार प्रदर्शन किया, और कुल 8 बल्लेबाजों ने 500 रन का आंकड़ा छुआ। इस सीजन में बल्लेबाजों की निरंतरता और शीघ्रता की रणनीति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इतना ही नहीं 2013 सीजन माइकल हसी और कोहली (638 रन) जैसे खिलाड़ियों ने 500 रन बनाए, जबकि 2024 में कोहली (741 रन) और रतुगुरा गांवकार (583 रन) ने ऑर्ज केप की दौड़ 7 बल्लेबाजों को मुकाम तक पहुंचाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों का सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। इस टीम में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी श्रेयदास सहित इन खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है। श्रेयस अभी आईपीएल में पंजाब किंग्स के कप्तान हैं और उन्होंने इस सत्र में काफी सन बनाये हैं। उन्होंने मुंबई लिए रणजी ट्रॉफी के 5 मैचों में 68.57 की औसत से 480 सन बनाए थे। टीम में वापस के बाद से ही श्रेयस ने जिस प्रकार सीमितसत्र ट्रॉफी सहित सन की दुर्नीतियों में अच्छे प्रदर्शन किया उससे माना जा रहा था कि उन्हें टेस्ट टीम में जगह मिलेगी पर ऐसा न हुआ। इससे श्रेयस के प्रशंसकों निराशा होकर के साथ ही हैरान हैं।

वहीं बल्लबाज सरफराज खान ने भी घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं। अब तक जो भी टेस्ट उन्हें खेलने मिले हैं उसमें सरफराज का प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक लगाया था। सरफराज ने रणजी की अलावा अन्य घरेलू टूर्नामेंटों में भी काफी रन बनाये हैं और इसके बाद भी उनका खेल लगातार उभेखा से सभी हैरान हैं।

ओस्लो, नॉर्वे। विश्व का नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज वलासिकल शुरु होने के दो दिन पहले ही एक बार फिअर अपनी श्रेष्ठा के सुनिश्चि का परिचय कराया है। कार्लसन ने इस बार ऑनलाइन शतरंज में एक बार फिअर को सर्वश्रेष्ठ साबित करते हुए चैम्पियन चैस टूर के फाइनल में फांस के मुकामी लागेरे व एकतरफा मुकाबले में 2.5-0.5 से पराजित करते हुए चेसकॉम वलासिकल शतरंज का खिताब अपने नाम कर लिया। इससे पहले कार्लसन ने एक रोमांचक मुकाबले यूएसए के हिकारू नाकामुरा को 3-1 से मात देते हुए ग्रैंड फाइनल में जगह बनाई थी। जे ऑफ़ के दौरान कार्लसन ने पोलैंड के जवा डूडा को 2.5-1.5 में अहम खिताबों के अब्दुस्तारोव नोदिरबेक को 3-1 से पराजित किया था। विश्व वलासिकल, रैपिड ब्लिट्ज़ के विजेता बनने के बाद मैग्नस कार्लसन ने आजकल अपना लक्ष्य फीटराइड शतरंज को बनाया हुआ और अब एक बार फिअर विश्व ई स्पोर्ट्स कप के पहले या ऑनलाइन मुकाबला जीतकर उन्होंने खुद को हमेशा की तरह विश्व शतरंज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी साबित किया है।

नई दिल्ली । अनुभवी ड्रैगपिलकर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम नीदरलैंड के एम्स्टेलीवन और बेल्जियम के एंटरप्रे में 7 से 22 जून तक होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में उत्तरी अफ्रीका के हॉकी इंडिया ने इसके लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम की उपलब्धता निम्नलिखित हार्दिक सिंह को दी भारतीय टीम अपने यूरोपीय चरण की शुरुआत में साओ पाओ और नौ जून को नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैचों खेलेगा इसके बाद 11 और 12 जून को एम्स्टेलीवन में अर्जेंटीना से उसके दो मैच होंगे भारतीय टीम टी 14 और 15 जून को एंटरप्रे जाएंगी और फिर 21 और 22 जून को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ उतरेगी। टीम में दो गोल्कीपर कृष्ण बारादुरा पाठक और सुरज करकेरा को शामिल किया गया है। वहीं सुमित, अभित रोहिदास सिंह, जुगराज सिंह, नीलम सजीव जेस, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, सज्जद और यशदीप सिवाव रक्षा पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे। मिडफ़िल्ड में राज कुमार पाल, नीलाकांत शर्मा, उप कप्तान हार्दिक सिंह, युवा प्रतिभागान राजिंदर सिंह मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह को शामिल किया गया है। फॉरवर्ड के तोर पर गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह रहेंगे। टीम के मुख्य कोच क्रैफ्टलून ने टीम चयन पर खुशी जतायी और कहा कि टीम को प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करना रहेगा।

बैंक निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने केवाईसी सुविधा उपलब्ध कराए: आरबीआई

ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में जारी परिपत्र में कहा कि बैंक सभी गैर प्रमुख शाखाओं सहित सभी शाखाओं में निष्क्रिय खातों या बिना दावे वाली रकम के लिए अनिवार्य रूप से जाने अपने ग्राहक (केवाईसी) के विवरण को दुरुस्त करने की सुविधा मुहैया करवाएं। इसके अलावा बैंकों को वीडियो उपभोक्ता पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) उपलब्ध होने की स्थिति में खातेधारक की मांग पर यह सुविधा मुहैया करवानी चाहिए। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि

निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने के लिए अधिकृत बिजनेस कॉररस्पोंडेंट की मदद भी ली जा सकती है। रिजर्व बैंक ने इस प्रारूप परिपत्र पर साझेदारों की टिप्पणी 6 जून तक मांगी है। रिजर्व बैंक ने जनवरी में बिना दावे वाली रकम और निष्क्रिय खातों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसके तहत ग्राहक के खाते की जानकारी या चेक बुक का अनुरोध शामिल करने सहित गैर वित्तीय गतिविधियां या कोई वित्तीय लेन देन दो वर्ष तक नहीं होने की स्थिति में ऐसे खातों को 'निष्क्रिय' श्रेणी में रखा



जाएगा। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया कि वह एक साल की अवधि से अधिक समय से उपभोक्ता की बिना लेन देन की पहल वाले खातों की सालाना समीक्षा करें। ग्राहकों को

निष्क्रिय होने वाले बैंक खातों की स्थिति के बारे में पत्रों, ईमेल या एसएमएस के जरिये अधिसूचित किया जाएगा। ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक अब हुआ स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक

बैंक द्वारा जारी की गई चेकबुक पहले की तरह ही मान्य रहेंगी

नई दिल्ली।

भारत का एक अपना वैश्विक बैंकिंग कार्यक्रम शुरू करने वाले नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने अपना नाम बदलकर स्लाइस स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड कर लिया है। यह बदलाव भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची के अंतर्गत किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी। इस नए नाम के साथ बैंक का इरादा अब पूरे देश में अपनी शाखाओं का

विस्तार करना है। बैंक बाजार डॉट कॉम के सीईओ का कहना है कि ये तरह के बदलाव एक संगठित प्रक्रिया के तहत होते हैं, जो कई बार छह महीने से एक साल तक चल सकते हैं। इस दौरान ग्राहक अपने पुराने डॉक्यूमेंट्स का ही उपयोग कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के एक एडवोकेट ने बताया कि सिर्फ बैंक का नाम बदल जाने से ग्राहकों को तुरंत नए बैंकिंग डॉक्यूमेंट्स लेने की कोई आवश्यकता नहीं होती। सभी पुराने दस्तावेज, जिन पर पुराने बैंक का नाम है, पूरी तरह वैध रहते हैं, जब तक कि बैंक कोई और सूचना न दे। भारतीय रिजर्व



बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक द्वारा जारी की गई चेकबुक आदि पहले की तरह ही मान्य रहेंगी।

जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में कर की दरों को तर्कसंगत बनाने, क्षतिपूर्ति उपकर पर चर्चा होने की संभावना

नई दिल्ली।

जीएसटी परिषद अपनी अगली बैठक में कर की दरों को तर्कसंगत बनाने और क्षतिपूर्ति उपकर के भविष्य पर विचार कर सकती है। इसके साथ ही अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने और मौजूदा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर फ्रेमवर्क में विसंगतियों को दूर करने पर ध्यान दिया जा सकता है। नई दिल्ली में होने वाली बैठक जल्द ही बुलाए जाने की उम्मीद है, जिसमें राज्य भी अगले फिस्कल प्लानिंग साइकल से पहले अपने रेवेन्यू आउटलुक पर स्पष्टता के लिए दबाव डाल रहे हैं। एनडीटीवी प्रॉफिट सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी लागू होने के बाद

राज्यों के राजस्व घाटे की भरपाई के लिए शुरू किए गए शुल्क, क्षतिपूर्ति उपकर का मुद्दा भी चर्चा में है, खासकर तब जब 2026 से आगे भी इसे जारी रखना बहस का विषय बन गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मार्च में कहा था कि जीएसटी दरों में और कमी की जाएगी क्योंकि कर स्लैब को तर्कसंगत बनाने की प्रक्रिया पूरी होने वाली है।

जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के समय रेवेन्यू न्यूट्रल रेट (आरएनआर) 15.8 प्रतिशत थी, जो अब 2023 में घटकर 11.4 प्रतिशत हो गई है और इसमें और कमी आएगी। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जीएसटी स्लैब को सरल बनाने का काम लगभग पूरा हो चुका है और जीएसटी परिषद, जिसका नेतृत्व वित्त

मंत्री करते हैं और जिसमें राज्य के वित्त मंत्री शामिल हैं, जल्द ही अंतिम निर्णय लेगी। जीएसटी दरों और स्लैब में बदलाव का सुझाव देने के लिए सितंबर 2021 में मंत्री समूह (जीओएम) का गठन किया गया था। इस समिति में छह राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं। यह समिति टैक्स सिस्टम को अधिक कुशल बनाने पर काम कर रही है। रेशनलाइजेशन प्रक्रिया में कर स्लैब की संख्या कम करना, दरों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न उद्योगों की उठाई गई प्रमुख चिंताओं का समाधान करना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे जोर दिया कि अगली जीएसटी परिषद की बैठक में प्रस्ताव पेश करने से पहले अंतिम समीक्षा चल रही है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की रही तेजी

सेंसेक्स 769 अंक उछलकर 81,721 अंक पर बंद

निफ्टी 243.46 अंक बढ़कर

24,853 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में पांचों कारोबारी दिन उतार-चढ़ाव देखा गया। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग एक फीसदी की तेजी देखी गई। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेत और यूएस बांड यील्ड में गिरावट से घरेलू शेयर बाजार को सहारा मिला। सबसे अधिक उछाल बैंकिंग, आईटी और मेटल सेक्टरों में देखने को मिला।

बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को इन्फोसिस और टीएसई जैसे दिग्गज आईटी स्टॉक्स में गिरावट ने बाजार को नीचे की तरफ खींचा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 115 अंक की गिरावट लेकर 82,215 पर खुला और

271.17 अंक गिरकर 82,059.42 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 6 अंक गिरकर 25,013 पर खुला और 74.35 अंक गिरकर 24,945.45 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 18.33 अंक की मामूली बढ़त लेकर 82,077.75 पर खुला और 905.72 अंक गिरकर 81,153.70 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भी मजबूती के साथ 24,996.20 अंक पर खुला और 261.55 अंक या 1.05 प्रतिशत गिरकर 24,683.90 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स तेजी के साथ 835.2 अंक बढ़कर 82,021.64 अंक पर खुला और 410.19 अंक उछलकर 81,596.63 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 262.3 अंक बढ़कर 24,946.20 अंक पर खुला और 129.55 अंक की बढ़त के साथ 24,813.45 पर

बैंकिंग सेवाएं में सुधार के लिए वित्त मंत्रालय ने बैंकों को दिए निर्देश

मंत्रालय का उद्देश्य है ग्राहकों को बेहतर और सम्मानजनक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना



नई दिल्ली।

वि। मंत्रालय ने हाल ही में सरकारी बैंकों में किए गए गलत व्यवहार के मामलों पर नजर डालते हुए सभी सार्वजनिक बैंकों को सख्ती से निर्देश दिया है। मंत्रालय का उद्देश्य है ग्राहकों को बेहतर और सम्मानजनक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना। वि। गैर सेवा विभाग डीएफएस के सचिव एम. नागराजू ने सभी पीएसबी प्रमुखों को कहा कि वे कर्मचारी आचरण के लिए तयशुदा दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने बैंकों को शाखाओं के प्रबंधकों के प्रदर्शन की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। हाल ही में एक एसबीआई शाखा पर आई विवादित घटना ने सार्वजनिक यान आकर्षित किया, जिसमें एक अधिकारी ने ग्राहक से अपमानजनक व्यवहार किया था। बाद में उस अधिकारी ने माफी की मांग की और एसबीआई ने इसे बर्दाश्त नहीं करने का दावा किया। नागराजू ने अचानक दौरे पर दि। के सार्वजनिक बैंकों का निरीक्षण किया, जिसमें उन्हें अच्छे और बुरे अनुभव देखने को मिले। ये बैंक अब कर्मचारियों की सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए एआई भी शुरू कर रहे हैं। एक सूत्र ने बताया कि सभी बैंक कर्मचारियों को ग्राहकों के प्रति उदार होने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चला रहे हैं। इस नए प्रयास से ग्राहकों को बेहतर सेवा मिलने की उम्मीद है।

स्कोडा ट्यूल्स का आईपीओ 28 मई को खुलेगा

मूल्य दायरा 130-140 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली।

स्टेनलेस स्टील ट्यूब और पाइप विनिर्माता स्कोडा ट्यूल्स का 220 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) 28 मई को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा 130-140 रुपये प्रति शेयर तय किया। आईपीओ 30 मई को बंद होगा। गुजरात की कंपनी ने एक बयान में कहा कि एंकर (बड़े) निवेशक 27 मई को बोली लगा सकेंगे। स्कोडा ट्यूल्स का आईपीओ पूर्णतः इक्विटी शेयरों का ताजा निगम है, जिसकी कुल राशि 220 करोड़ रुपये है, जिसमें बिक्री पेशकश (ओफ़रएस) शामिल नहीं है। इस निगम से प्राप्त राशि का उपयोग ट्यूब और पाइप के उत्पादन की क्षमता बढ़ाने, कार्यशील पूंजी जरूरतों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर कंपनी का मूल्य लगभग 840 करोड़ रुपये है। निगम आकार का आधा हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए तथा शेष 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है।

टोयोटा की इस कार की हुई बंपर ब्रिकी, लेकिन दूसरी को एक भी खरीददार नहीं मिला

मुंबई।

भारतीय ग्राहकों के बीच टोयोटा की कारों की हमेशा डिमांड रहती है। इसमें टोयोटा इनोवा, हायराइडर और ग्लैंजा जैसी कार जबरदस्त पॉपुलर हैं। बीते महीने अप्रैल, 2025 में टोयोटा इनोवा ने 7,000 से ज्यादा एमपीवी की बि। करके टॉप पोजिशन हासिल किया। हालांकि, इसी दौरान टोयोटा की एक धांसू एसयूवी लैंड क्रूजर 00 को निराशा हाथ लगी। बता दें कि इस दौरान टोयोटा लैंड क्रूजर 00 को एक भी खरीदार नहीं मिले। वहीं बात करे टोयोटा लैंड क्रूजर 00 की, तब इसमें -लीटर का टिवन-टर्बो डीजल इंजन मिलेगा है जो 09बीएचपी की अधिकतम पावर और 700एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करेगा है। इस एसयूवी के इंजन को 10-स्पीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। भारतीय मार्केट में टोयोटा लैंड क्रूजर का मुकाबला लैंड रोवर रेंज रोवर और लेक्सस एलएफ़स से होता है। टोयोटा की यह एसयूवी सिर्फ एक वैरिएंट जेडएफ़स में उपलब्ध है। टोयोटा की एसयूवी में फीचर्स के तौर पर 12 -इंच की फी-प्लॉटिंग टचस्क्रीन सिस्टम, 4-जोन क्लाइमेट कंट्रोल के साथ पावरड एडजेस्टेबल फ्रंट सीटें दी गई हैं। इसके अलावा, पैसेंजर की सेंपटी के लिए एसयूवी में 10-एयरबैग, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, ट्रेडशन कंट्रोल, पाकिंग सपोर्ट ब्रेक और एडीएस जैसी टेक्नोलॉजी भी दी गई है। भारतीय मार्केट में टोयोटा लैंड क्रूजर 00 की एंएस-शोरूम कीमत 2 10 करोड़ रुपये रखी गई है।

महिंद्रा ने बोलेरो और बोलेरो नियो को किया अपडेट

नई दिल्ली।

अपनी लोकप्रिय एसयूवीएस बोलेरो और बोलेरो नियो को महिंद्रा ने अपडेट कर दिया है। यह अपडेटेड मॉडल डीलर-लेवल एक्सेसरीज पैक के साथ बोल्ड एडिशन के रूप में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 20,500 रुपये से लेकर 40,000 रुपये तक जाती है।

इस नई पेशकश में मुख्य रूप से कॉस्मेटिक बदलाव किए गए हैं, जबकि मैकेनिकल स्पेसिफिकेशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बोलेरो के बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स के ऊपर डार्क क्रोम फिनिश, फ्रंट गिल, डोर हैंडल और रियर फेंडर पर वेंटिलेटर दिए गए हैं। इसके साथ ही ब्लैक-आउट

फॉग लाइट सराउंड और फ्रंट बंपर पर भी नए एलिमेंट्स देखे जा सकते हैं। इंटीरियर में नई सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ बेज हाइलाइट्स दिए गए हैं। इस एडिशन में नए डोर सिल प्लेट और मेट भी शामिल हैं। बोलेरो बोल्ड एडिशन की कीमत 10.02 लाख रुपये से लेकर 11.14 लाख रुपये तक है, जबकि एक्सेसरीज पैक की कीमत 20,500 रुपये है। वहीं, बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन में हेडलाइट्स, नोज और डोर हैंडल पर डार्क क्रोम एलिमेंट्स, ब्लैक-आउट रूफ रेल्स, फ्रंट फॉग लाइट सराउंड और व्हील आर्च जैसे बदलाव किए गए हैं।

इसके केबिन में नई ब्लैक सीट और स्टीयरिंग अपहोल्स्ट्री के साथ



नेक कुशन और नए मैट्स भी जोड़े गए हैं। सबसे खास फीचर इस मॉडल में रियर कैमरा का जुड़ना है। बोलेरो नियो बोल्ड एडिशन की कीमत 11.90 लाख रुपये से 12.58 लाख रुपये तक है, और एक्सेसरी पैक की कीमत 40,000 रुपये है। महिंद्रा की इस

चाल का उद्देश्य दो महीनों में आई बिक्री गिरावट को कम करना है। मार्च 2025 में बोलेरो दिवन्स की बिक्री 22 फीसदी से ज्यादा घटकर 8,031 यूनिट्स रह गई, जबकि अप्रैल 2025 में भी बिक्री में करीब 12 फीसदी की गिरावट देखी गई।

फ्यूचर एंड ऑप्शन्स ट्रेडिंग रिटेल निवेशकों के लिए गहरी खाई

वित्त वर्ष 2024 में फ्यूचर एंड ऑप्शंस में 91 फीसदी निवेशकों को घाटा



नई दिल्ली।

सेबी की रिपोर्ट के अनुसार वि। वर्ष 2024 में फ्यूचर एंड ऑप्शंस में 91 फीसदी निवेशकों को नुकसान का सामना करना पड़ा है। यह एक चिंताजनक संकेत देता है कि अधिकांश निजी निवेशक इस बाजार में घाटे में हैं। लेकिन अन्य ओर ई। टी ऑप्शन में जमकर कारोबार करने वाले बड़े खिलाड़ी मुनाफा कूट रहे हैं। वि। वर्ष 2025 में ई। टी ऑप्शन में कारोबार काफी बढ़ गया है, जिससे यह डेरिवेटिव बाजार का सबसे बड़ा हो गया है। सेबी ने उच्च निवेश सीमा और बड़ी लॉट साइज के प्रावधान किए हैं ताकि रिटेल निवेशकों की हतोभय बढ़े। लेकिन इन्हीं कदमों के बावजूद रिटेल निवेशकों का एक भाग भी घाटा हो रहा है। इसके बावजूद विदेशी निवेश फर्मो और उ। त। कंप्यूटर एल्गोरिदम का उपयोग करने वाले कंपनियों के लिए यह कारोबार लाभदायक साबित हो रहा है। इसके साथ ही भारतीय ई। टी डेरिवेटिव्स से जुड़ी एक अमेरिकी कंपनी जेन स्ट्रीट ग्रुप की कमाई की वार्षिक रिपोर्ट के बाद सेबी की जांच उसके खिलाफ शुरू हुई है। विशेष गेें के मुताबिक ऑप्शन ट्रेडिंग कारोबार विदेशी कंपनियों के लिए बेहद लाभदायक साबित हो रहा है जबकि रिटेल निवेशकों के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र बन गया है।



एक सप्ताह में सोना 3,170 रुपये महंगा, चांदी में भी 2300 का उछाल

नई दिल्ली।

इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक 17 मई को सोने की कीमत 92,301 प्रति 10 ग्राम थी, जो 24 मई को बढ़कर 95,471 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई यानी एक सप्ताह में सोने की कीमत में 3,170 रुपये का इजाफा हो गया। वहीं चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 17 मई को चांदी की कीमत 94,606 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो अब बढ़कर 96,909 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है यानी इस हफ्ते चांदी की कीमत में 2,303 रुपये का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी ने 28 मार्च को 1,00,934 प्रति किलोग्राम का अब तक का सर्वोच्च स्तर छू लिया था। दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 900,50 रुपये और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपये है। मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपये और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,080 रुपये है। वहीं चेन्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपये और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,080 रुपये है।

स्टारलिंग का भारतीय बाजार में जल्द होगा प्रवेश!

840 रुपये में मिलेगा अनलिमिटेड सैटेलाइट इंटरनेट

मुंबई। भारत के डिजिटल भविष्य को नई ऊंचाई पर ले जाने एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टार लिंग जल्द ही भारतीय बाजार में प्रवेश करने जा रही है। शुरुआती प्रमोशनल ऑफर में यह सेवा सिर्फ 840 रुपये प्रति माह में अनलिमिटेड डेटा के साथ मिल सकती है। हालांकि भारत में सैटकॉम स्पेक्ट्रम की लागत पारंपरिक टेलिकॉम सेवाओं की तुलना में अधिक है- जैसे कि शहरी ग्राहकों पर 500 अतिरिक्त शुल्क फिर भी स्टार लिंग जैसी कंपनी इस चुनौती से आसानी से निपट सकती है। स्टार लिंग के पास फिलहाल करीब 7,000 उपग्रह हैं और उसके 40 लाख वैश्विक यूजर्स हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि 2030 तक अगर स्टार लिंग अपनी सैटेलाइट संख्या 18,000 तक भी बढ़ा ले, तो भारत में वह केवल 15 लाख यूजर्स को ही कवर कर पाएगा। यानी सेवा की मांग बढ़ने पर क्षमता एक बड़ी चुनौती बन सकती है। जहां भारत के कई हिस्सों में आज भी हाई-स्पीड इंटरनेट एक सपना है, वहीं स्टार लिंग जैसी सेवा दूरदराज के इलाकों में डिजिटल कनेक्टिविटी को नया जीवन दे सकती है। यह पहल भारत के डिजिटल इंडिया मिशन को भी मजबूती देगी।

रिजर्व बैंक ने यूबीआई और ट्रॉजेंवट्री टेक्नोलॉजीज पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियामकीय मानदंडों के गैर-अनुपालन के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) और ट्रॉजेंवट्री टेक्नोलॉजीज पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बताया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के कुछ प्रावधानों और कृषि कर्ज प्रवाह-संपांक्षिक मुक्त कृषि ऋण पर कुछ निर्देशों के गैर-अनुपालन के लिए 63.6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने एक अन्य बयान में कहा कि उसने ट्रॉजेंवट्री टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड पर गैर-अनुपालन के लिए 40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। दोनों मामलों में आरबीआई ने कहा कि दंड नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसमें ग्राहकों के साथ इनके किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल नहीं उठाया गया है।



सस्पेंस-थ्रिलर फिल्में बनाकर मशहूर हुए सुजॉय घोष

सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों का निर्देशन करने के लिए जाने जाने वाले सुजॉय घोष आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने झंकार बीट्स के निर्देशन से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2012 में आई उनकी फिल्म कहानी काफी मशहूर रही। निर्देशन के अलावा वह कई कलाओं में माहिर हैं।

रा टस क लिए कि काम सुजॉय घोष कलकत्ता में 21 मई 1966 में पैदा हुए। शुरुआती पढ़ाई यहीं से की। इसके बाद वह 13 साल की उम्र में लंदन चले गए। सुजॉय घोष ने मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग और एमबीए की डिग्री हासिल की। सुजॉय ने रॉयटर्स के मीडिया प्रभाग के दक्षिण एशिया प्रमुख के तौर पर काम किया। 1999 में यहां से इस्तीफा दिया।

ब र निदेशक र काम ाब सुजॉय घोष ने साल 2003 में झंकार बीट्स से फिल्मों के निर्देशन में कदम रखा। उनकी पहली फिल्म हिट रही थी। इसके बाद उन्होंने होम डिलीवरी और आलादीन जैसी फिल्मों का निर्देशन किया जो बॉक्स ऑफिस पर कामयाब नहीं रही। साल 2012 में सुजॉय घोष ने कहानी फिल्म का निर्देशन किया। फिल्म में लीड रोल में विद्या बालन थीं। उनकी यह फिल्म काफी कामयाब रही। साल 2016 में इसी फिल्म की सीकल कहानी 2 रिलीज हुई। सरसं सिलरि में बॉलीवुड में सुजॉय घोष ने अलग किस्म की फिल्में बनाई हैं। उन्हें सबसे ज्यादा सस्पेंस-थ्रिलर फिल्मों के लिए जाना जाता है। घोष की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्म कहानी है। इस फिल्म में जबरदस्त सस्पेंस है। फिल्म ने कई अवार्ड्स अपने नाम किए थे। जिसमें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल थे। इसी तरह से सुजॉय के निर्देशन में बनी फिल्म बदला में भी सस्पेंस दिखाया गया है। इस फिल्म में तापसी पन्नू और अमिताभ बच्चन हैं। सुजॉय घोष की शॉर्ट फिल्म अहल्या में सस्पेंस दिखाया गया है। इस फिल्म में राधिका आप्टे ने बेहतरीन अदाकारी की है। साल 2012 में सुजॉय घोष ने अभिनय में हाथ आजमाया। उन्होंने रितुपर्णा घोष द्वारा निर्देशित बंगाली फिल्म में अभिनय किया। बहुत कम ही लोगों को पता है कि सुजॉय ने आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कोरबो लोरबो जीतबो रे टैग लाइन लिखी है। सुजॉय ने साल 2005 में अहल्या और साल 2017 में अनुकूल जैसी शॉर्ट फिल्मों का निर्देशन और प्रोडक्शन किया है।



2 साल बड़े कमल हासन के साथ इंटीमेट सीन पर बोलीं तषा

तृषा कृष्णन इन दिनों चर्चा में हैं। उन्होंने कमल हासन की फिल्म टग लाइफ के ट्रेलर से सुर्खियां बटोरी हैं। ट्रेलर में तृषा और कमल हासन रोमांस करते हुए हुए नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजरों ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि फिल्म में 70 साल के हासन अभिनेत्री तृषा जो उनसे काफी छोटी हैं के साथ इंटीमेट सीन कर रहे हैं और किस कर रहे हैं। तृषा कृष्णन अभी 42 साल की हैं। ज्यादा एज गैप वाले कलाकारों के एक दूसरे के साथ रोमांस करने पर, जहां सोशल मीडिया पर आलोचना हुई वहीं इस सीन का हिस्सा बनी तृषा को इससे कोई ऐतराज नहीं है। वह इस बात से बिल्कुल भी परेशान नहीं हैं कि लोग इस बारे में क्या कह रहे हैं। उन्होंने न्कहा मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो मुझे तब पता था जब उन्होंने (निर्माताओं ने) फिल्म का एलान किया था। मैं उस समय फिल्म का हिस्सा भी नहीं थी। तब तक मैंने इसे साइन नहीं किया था।

लोगों को न री संद । । इंटीमेट सीन

आपको बता दें कि हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक यूजर ने कमल हासन और तृषा कृष्णन की अदाकारी वाली फिल्म टग लाइफ के ट्रेलर से स्क्रीनशॉट पोस्ट किए। इसमें कमल हासन और तृषा कृष्णन के बीच एक रोमांटिक सीन दिखाया गया है। पोस्ट के कप्शन में लिखा है नहीं भगवान नहीं।



मैं अपना काम करने में यकीन करती हूं और ट्रोलर्स को इग्नोर करती हूं

इंडस्ट्री में 6 साल पूरे कर चुकी अनन्या पांडे को उनकी हालिया रिलीज केसरी - चैप्टर 2 की भूमिका के लिए पसंद किया जा रहा है। फिल्म गहराइयां और कॉल भी वे जैसी सीरीज की इस एपिसे का मानना है कि करियर का शुरुआती दौर उनके लिए मुश्किल था, मगर अब वह अपने काम और लोगों के प्यार पर फोकस करती हैं। अनन्या ने बातचीत में विभिन्न मुद्दों पर बात की। न । ङे नी ि म कसरी चैटर क बाद । को एक ए टेस क में रिरे ट मिलने लगी , कि िम र र नड रींङ्गों को दे र लेमर एड करने वाली सम ि जा । हां, मैं मानती हूं कि केसरी- चैप्टर 2 में जलियांवाला बा कांड पर आधारित कहानी में मैंने 1920 के दौर की लड़की की भूमिका की, उसे लेकर लोगों को लगा नहीं था कि मैं ये भूमिका कर पाऊंगी। जाहिर सी बात है, उसमें पंजाबी का एक अलग तरह का डायलेक्ट था, मगर मैं ये जरूर कहना चाहूंगी कि फिल्म दर फिल्म दर्शकों को मेरा काम पसंद आता गया। गहराइयां, खो गए हम कहां, कंट्रोल सीटीआरएल जैसी तमाम फिल्मों में एपिसे के रूप में मुझे पसंद किया गया। जब मैंने शुरुआत की थी, लोग हमेशा कहते थे, वैरी स्वीट, क्यूट, बबली, वो भी अच्छा ही था आगाज के हिसाब से। मगर अब लोग मेरी परफॉर्मेंस के बारे में बात करते हैं। एक कलाकार के रूप में मेरे काम और रोल के बारे में बात किए जाना मेरे लिए काफी संतुष्टिपूर्ण है। कर । ज र । क मेंटार रे, शा िन क रिवा से । काी लोज र ली में । कमार क सा । ने काम कि । इन सी से । ने । सी । मैं अक्षय कुमार सर के बारे में पहले कहूंगी, क्योंकि हाल ही में मैंने उनके साथ काम किया है। वह बेहद ही अनुशासित हैं। अलसुबह की शूटिंग में भी वह वर्कआउट करके आते हैं और एकदम समय की पाबंदी के साथ। उन्होंने सैकड़ों फिल्मों की हैं, इसके बावजूद वह सेट पर हर चीज में रुचि लेते हैं। उन्हें मेरे और अपने साथी कलाकारों के बारे में जानना होता है कि हम क्या कर रहे हैं। वह चाहते हैं कि फिल्म चले और

सभी की परफॉर्मेंस दमदार हो। शाहरुख सर से मैंने सीखा है कि हम पर्सनल और वर्क लाइफ को कैसे बैलेंस करें। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, मगर इसके बावजूद वह अपने बच्चों की जिंदगी की पल-पल की खबर रखते हैं। वह कमाल के पिता हैं। वह बादशाह और किंग खान हैं, मगर हर व्यक्ति को बहुत खास महसूस करवाते हैं। उनकी चार्मिंग क्वालिटी उम्रदा है। करण आपको जिस तरह से स्पोर्ट करते हैं, वो कई बार अविश्वसनीय लगता है। आप सोचते हैं कि क्या करण के पास काम के अतिरिक्त घंटे हैं, क्योंकि वह बहुत कुछ एक साथ मैनेज करते हैं। मैं उनको कपड़ों, फिल्मों, इवेंट या फिर निजी जिंदगी के मसाले को लेकर कॉल करूं, तो वे हमेशा कॉल उठाते हैं और अपनी सलाह देते हैं। । र, मो ब र विवा संर । क बारे में । सोच ी िज का ो डेटिंग ऐ स, सिचएशनशि , बैचिंग,बेडकबिंग जैसे टमस को नाने लगा । सच कहूं, तो मैंने अपने घर में अपने मॉम-डैड के रूप में एक ऐसा कपल देखा है, जिसमें दोस्ती पहले है। अगर वो लड़ते भी हैं, तो एक -दूसरे को मना लेते हैं। वो एक रियल कपल हैं। मेरे माता-पिता मुझसे हमेशा यही कहते हैं कि रिश्ते में पहले दोस्ती ढूंढो, वो हमेशा रहेगी। जैसे कुछ कुछ होता है में एक लाइन है-प्यार दोस्ती है, तो मैं भी उसी में मानती हूं। आपका पार्टनर आपको बेस्ट फ्रेंड होना चाहिए। मैं जब छोटी थी, तभी से मैं होपलेस रोमांटिक लड़की रही हूं। । बार बार टो स की शिकार ीी , कैसे िडल कर ी । अब ट्रोलर्स का तो वही काम है। वे तो ये सभी के साथ करते हैं। मैं एक बात समझ चुकी हूं कि मैं सभी को खुश नहीं कर सकती। मैं अपना काम करने में यकीन करती हूं और जो प्यार देते हैं, उनकी कद्र करती हूं। ट्रोलर्स को इग्नोर करती हूं, क्योंकि जानती हूं कि ये कहीं नहीं जाने वाले। हां, इसान हूं, तो बुरा लगता है कई बार, जब ये मेरे परिवार को निशाना बनाते हैं,मगर अब मैं लोगों के प्यार पर ज्यादा फोकस कर रही हूं, वो मुझे मिल भी ज्यादा रहा है।



क्या वाकई श्रद्धा ने छोड़ दी एकता कपूर की फिल्म?

बीते वर्ष फिल्म स्त्री 2 के जरिए बॉक्स ऑफिस पर राज कर चुकी श्रद्धा कपूर की अगली फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। बीते दिनों खबर आई कि उन्होंने एकता कपूर की फिल्म साइन की है, जिसका निर्देशन तुमसाइ फेम निर्देशक अनिल बर्वें करेंगे। हालांकि, हाल ही में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि फीस के मसले को लेकर श्रद्धा कपूर ने एकता की फिल्म से हाथ पीछे खींच लिए हैं। अब ऐसी खबरों का खंडन खुद अनिल बर्वें ने किया है।

निल बर्वे ने ब । । वा

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि फीस संबंधी असहमतियों के चलते श्रद्धा कपूर ने अनिल बर्वें की थ्रिलर फिल्म छोड़ दी है। हालांकि, ऐसी खबरों का खंडन करते हुए आज सोमवार को राही अनिल बर्वें ने अपने एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर यकीन न करें।

ज द णा िकारिक एलान

अनिल बर्वें ने सही वक्त आने पर आधिकारिक एलान करने की बात कही है। अनिल बर्वें ने लिखा है, कृपया मीडिया में चल रही किसी भी अफवाह पर यकीन न करें। हम सही समय पर आधिकारिक घोषणा करेंगे। बता दें कि पिछले कुछ हफ्तों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि एकता कपूर की एक थ्रिलर फिल्म से श्रद्धा बाहर हो गई हैं। उन्होंने फिल्म के लिए 17 करोड़ रुपये फीस मांगी, जो मेकर्स को काफी ज्यादा लगी।

किसी ि म का न री ।

ि कारिक एलान

साल 2024 में आई श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इसके बाद ऐसी खबरें हैं कि वह कई फिल्मों में काम करेंगी, लेकिन अभी तक किसी भी फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रा ल मोदी को

कर रीं डेट

श्रद्धा कपूर अपनी फिल्मों के अलावा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। कथित तौर पर वे राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अफेयर की अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मगर, कई मौकों पर दोनों को साथ देखा गया है।

केसरी वीर से कमबैक पर सूरज पंचोली ने जताई खुशी

पिरियड एक्शन फिल्म केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म के जरिए अभिनेता सूरज पंचोली भी लगभग तीन साल बाद बड़े परदे पर वापसी कर रहे हैं। हाल ही में सूरज पंचोली ने अपने कमबैक के बारे में चर्चा की। बातचीत में सूरज पंचोली ने फिल्म में अपने कमबैक को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा, यह बहुत प्रेरक, बहुत सकारात्मक अनुभव है। मेरे पास काम करने के लिए बेहतरीन सह-कलाकार हैं और अब हम यहां प्रमोशन कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट अब सिर्फ तीन दिन दूर है। मैं बहुत उत्साहित और खुश हूं। बहुत भावुक भी और इससे बढ़कर शुक्रगुजार हूं। शूटिंग के दौरान चोटें आईं फिल्म केसरी वीर 23 मई को रिलीज हो रही है। यह फिल्म एक्शन से भरपूर है। सूरज पंचोली ने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने खुद को काफी मेहनत से तैयार किया। यहां तक कि शूटिंग के दौरान उन्हें जलने से चोटें भी आईं। अपना अनुभव शेयर करते हुए उन्होंने कहा, बहुत सारी चोटें आईं, लेकिन हर चोट ने हमें योद्धा जैसा महसूस कराया। इसलिए मुझे लगता है कि युद्ध के निशान अच्छे हैं। इस फिल्म में सुनील शेड्डी भी अहम भूमिका में हैं। उन्होंने केसरी वीर जैसी कहानियों को लेकर कहा, देखिए, यह केवल युवा पीढ़ी की बात नहीं है, जब यह हमारे पास आई, तब भी मुझे सोमनाथ का इतिहास नहीं पता था और मुझे इन गुमनाम नायकों का इतिहास भी नहीं पता था। इसलिए, हमारे जैसे लोगों के लिए भी...मेरा मानना है कि इस तरह की बातें बताई जानी चाहिए। और सिनेमा के माध्यम से ऐसा करने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है? इस फिल्म में विवेक ओबेरॉय और आकांशा शर्मा भी अहम रोल में हैं।



एक्टिंग छोड़ डीजे बने अभय देओल, 2 साल से नहीं आई कोई फि म

बॉलीवुड एक्टर अभय देओल इन दिनों लाइमलाइट से भले ही दूर हों, लेकिन उनके स्टाइल और अंदाज की चर्चा हमेशा होती रहती है। हाल ही में अभय देओल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वो एक पार्टी में डीजे बने नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में अभय देओल अपनी फिल्म 'देव डी' वाले बेफिक्र और बिंदास अवतार में दिखाई दे रहे हैं।

डीजे की भूमिका में नजर आए अभय

हाल ही में गुडगांव में एक खास पार्टी आयोजित की गई, जिसमें एक्टर अभय देओल अचानक से डीजे बन गए। वहां मौजूद लोग तब हैरान रह गए जब अभय ने माइक नहीं, बल्कि डीजे का सेटअप संभाल लिया और एक के बाद एक शानदार गाने बजाकर पार्टी का माहौल बना दिया। कैजुअल टीशर्ट और पैंट्स में अभय पूरी तरह मस्ती के मूड में दिखे और पार्टी के माहौल में डूबे हुए नजर आए।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

इवेंट ऑर्गेनाइजर रिकलबॉक्स ने इस पार्टी का वीडियो 14 मई को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया था। इस वीडियो के साथ केषान भी काफी दिलचस्प था

जिसमें लिखा गया ङ्क 'पद' से उतरा स्टार और संगीत में डूबा। ये कोई परफॉर्मेंस नहीं, एक मौजूदगी थी।' वायरल हो रहे वीडियो के साथ-साथ इस केषान ने काफी ध्यान खींचा।

2 साल ने नहीं आया कोई प्रोजेक्ट

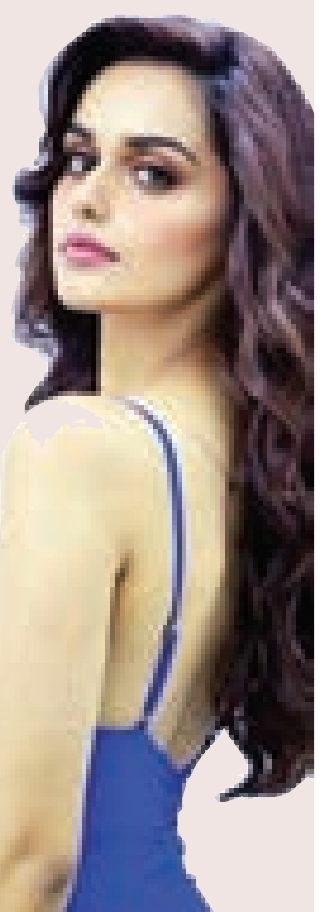
अभय देओल लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि, उन्होंने नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज 'ट्रायल बाय फायर' में दमदार अभिनय किया था, जो उपहार सिनेमा हादसे पर बेस्ड थी। ये सीरीज साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में अभय की परफॉर्मेंस को काफी सराहा गया था, लेकिन अब वो फिर से किसी बड़े प्रोजेक्ट में नहीं दिखे हैं। उनके फेन्स उन्हें मिस कर रहे हैं और अब ये डीजे वाली विलप उनके फेन्स के बीच काफी पॉपुलर हो रही है।

चकाचौंध से दूर रहते हैं अभय

अभय देओल कहीं ना कहीं खुद ही फिल्मी दुनिया की चकाचौंध से खुद को दूर रखते हैं। कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में जो दर्द और तकलीफ अपने परिवार के सदस्यों से सुनी थी, वही उनके डर का कारण बनी। उन्होंने बताया था कि वो एक समय पर सब कुछ छोड़कर न्यूयॉर्क चले गए थे, जहां वह देव डी की तरह जी रहे थे, जिसे अपनी जिंदगी में किसी की परवाह नहीं होती।

मानुषी छि र ने अमेरिका में मनाया 2 वां ज मदिन

मानुषी छिन्नर ने अपना 28वां जन्मदिन मनाया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अब तस्वीरें शेयर की हैं। अमेरिका के न्यूयॉर्क में शोफ विकास खन्ना के रेस्टोरेंट में मानुषी ने गर्ल गैंग के साथ बर्थडे सेलिब्रेट किया। तस्वीरों में मानुषी केक काटते हुए नजर आ रही हैं। एपिसे की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। अभिनेत्री ने केषान में लिखा, 'एक जन्मदिन जो 33 घंटे और 30 मिनट तक चला! जब आपके पास काटने के लिए ढेरों केक हों। फोटोज में मानुषी काफी खुश नजर आ रही हैं। उनके फेन्स को भी उनका यह अंदाज काफी पसंद आया। मानुषी की सेलिब्रेशन वाली फोटोज पर फेन्स ने उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं जिससे उनका जन्मदिन काफी खास बन गया। अभिनेत्री जल्द ही दो बड़ी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। फिल्म मालिक में वह अभिनेता राजकुमार राव के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।



दारोगा सस्पेंड, दलाल गिरफ्तार, डीएसपी पर जांच की तलवार

निरंकार भास्कर-नवप्रदेश
चंपारण रेंज के डीआईजी हरिकिशोर राय ने रक्सौल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राजीव नंदन शाना के को शहर के एक व्यवसायी दुन्ना प्रसाद की दुकान से लिए बकाया राशि नहीं लौटाने व झूठे एक अपहरण केस में फंसाने के आरोप में बिहार के मोतिहारी में एक व्यापारी के लिया उधार पचाने के लिए झूठे केस में फंसाना दारोगा को महंगा पड़ा। चंपारण रेंज के डीआईजी हरिकिशोर राय ने रक्सौल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा को शहर के एक व्यवसायी दुन्ना प्रसाद की दुकान से लिए बकाया राशि नहीं लौटाने व झूठे एक अपहरण केस में फंसाने के आरोप में निलंबित कर दिया है। बताया कि यह कार्रवाई शहर के



प्रमुख व्यवसायी वस्त्र संसार दुकान के मालिक दुन्ना प्रसाद की शिकायत पर की गई है। व्यवसायी दुन्ना प्रसाद ने डीआईजी को शिकायत कर आरोप लगाया था कि थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा ने उनकी दुकान से लगभग 1 लाख 8 हजार रुपये का सामान लिया था। लेकिन भुगतान नहीं किया। जब उन्होंने बकाया राशि की मांग की तो उन्हें अपहरण केस में फंसाने की

मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की। इस दौरान दुन्ना प्रसाद ने कई ठोस साक्ष्य के साथ डिजिटल साबुत व गवाह प्रस्तुत किया जिससे यह स्पष्ट हुआ कि थानाध्यक्ष ने अपने पद का दुरुपयोग किया है। जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर डीआईजी ने थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया व उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की है। पीड़ित व्यवसायी दुन्ना प्रसाद ने बताया कि बकाया रकम मांग किये जाने पर थानाध्यक्ष ने उसे अपहरण केस में फंसाने की धमकी दी थी।

इस मामले में नया मोड़ तब आया जब डीएसपी के नाम पर पैसा वसूलने की बात सामने आई। दलाल शिवपूजन शर्मा उर्फ समर जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और दबोच लिया गया हलाल से पृछताछ में डीएसपी की भूमिका संदिग्ध मिलने पर डीआईजी हरिकिशोर राय ने उनकी भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई चलती रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील किया है कि कोई पुलिसकर्मि परेशान करे तो सीधे फोन करें या मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराएं।

रोहतास सिविल सर्जन के खिलाफ जांच शुरू

डीएम के निर्देश पर दायर परिवाद की सुनवाई करेंगे एडीएम

नवप्रदेश प्रतिनिधि
सासाराम। सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर मणिराज रंजन के खिलाफ दायर एक परिवाद के आलोक में रोहतास जिलाधिकारी उदिता सिंह ने टीम गठित कर जांच के आदेश दिए हैं। अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी सुबोध कुमार सीएस के खिलाफ दायर किये गए परिवाद की सुनवाई नया सदर्यता भर्ती करने, एडीएम ने अपने कार्यालय कक्ष में आगामी तीन जून को परिवादी को उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा है।

राज्यपाल के कार्यक्रम में

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही

बता दें कि बीते दिनों जिले के

महागठबंधन की जीत के लिए गरीबों को गोलबंद कर आंदोलन चलेगा: माले

15 जुन को बैरिया में अंचल सम्मेलन: माले

नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया। भाकपा (माले) ने नौतन विधान सभा क्षेत्र के प्रमुख नेताओं कार्यकर्ताओं की बैरिया में बैठक कर पाटी को और मजबुत करने के लिए नया सदर्यता भर्ती करने, ब्रांच कमिटियों का पुर्नगठन और अंचल सम्मेलन करने, सभी बुधों पर बी० एल. ए. 02 और बुध कमिटी बनाने और विधान सभा क्षेत्र में महागठबंधन की जीत के लिए हर तरह से पार्टी को मजबुत बनाने पर जोड दिया तथा 15 जून को अंचल सम्मेलन करने का निर्णय लिया। बैठक में भाजपा-जद (यू) सरकार द्वारा गरीबों, पिछड़ों और वंचितों के स्वाल से भागने, आरक्षण की सीमा 65 प्रतिशत करने, सभी गरीबों को पांच पांच डिसमील जमीन देने, 6 हजार से कम महीना कमाने वाले को दो-दो लाख रूपया

4599 मक्का पर रिटेलर क्रॉप टूर फसल प्रदर्शनी दिवस का हुआ आयोजन

नवप्रदेश प्रतिनिधि
खगड़िया जिले के बेलदौर ब्लॉक अंतर्गत डुमरी गांव में शुक्रवार 23 मई को भारतीय सीड्स कंपनी द्वारा भारती 4599 मक्का पर रिटेलर क्रॉप टूर फसल प्रदर्शन दिवस का आयोजन किया गया। फसल प्रदर्शन दिवस का उद्घाटन विधिवत रूप से भारती सीड्स कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर सह बेला नौवाद पंचायत के मुखिया श्री गौरीशंकर शर्मा, प्रदीप भगत, चंद्रभूषण चौधरी, इंद्रजीत कुमार, मो0 स्वेब उदुमान, मो0 तनवीर,चंद्रहास कुमार और भारती सीड्स कंपनी के रीजनल सेल्स मैनेजर संदीप कुमार द्वारा संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया गया। वहीं भारती 4599 मक्का के सभी गुणवत्ता को विस्तार पूर्वक भारती सीड्स कंपनी के रीजनल सेल्स मैनेजर संदीप कुमार ने बताया कि भारती 4599 मक्का का पहला गुण है एक समान और सिलेंडर आकार का भुट्टा और 18 धारियों से भरा

आरा नगर के जर्जर सड़कों के निर्माण और मिराचक बेगमपुर में प्राथमिक उप स्वास्थ्य केन्द्र के सवालों पर संघर्ष के आह्वान के साथ

भाकपा माले का लोकल सम्मेलन संपन्न

नवप्रदेश प्रतिनिधि
आरा। नगर के अबरपुल दुधकटोरा, वलीगंज, अहिरपुरवा, बेगमपुर, मिराचक भलुहीपुर का भाकपा माले का इलाका सम्मेलन आज दिनांक 24 मई 2025 को मिराचक मे आयोजित किया गया.इस आश्य सूचना एक प्रेस बयान में भाकपा माले राज्य कमटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी ने दी. सम्मेलन के पहले इस इलाके के वरिष्ठ भाकपा माले नेता गौस राजा ने पार्टी के झंडे का झंडोलतन किया.तथा भारतीय क्रांति के अमर शहिदों, आतंकी हमला में मारे गए निर्दोष नागरिकों तथा आप्रेशन सिन्दूर में सिमा पर शहिद सैनिकों की शहिद वेदी पर माल्यार्पण किया

गया तथा उन्हें एक मिनट खड़ा होकर सभी प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की.सम्मेलन का संचालन तीन सदस्यीय अध्यक्ष मंमल में शामिल आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी, से इलाके के पोपुलर नेता नेहाल अहमद तथा युवा नेता धनंजय सिंह ने किया.इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि महागठबंधन के लोकप्रिय आरा सांसद सुदामा प्रसाद जी थे.सम्मेलन का उद्घाटन आरा नगर सचिव व भाकपा माले राज्य कमटी सदस्य सुधीर सिंह ने किया. इस लोकल सम्मेलन के पर्यवेक्षक आरा नगर कमिटी सदस्य व रिटयर्ड विंडियो अशोक कुमार सिंह उर्फ मिल्टन कुशवाहा थे.

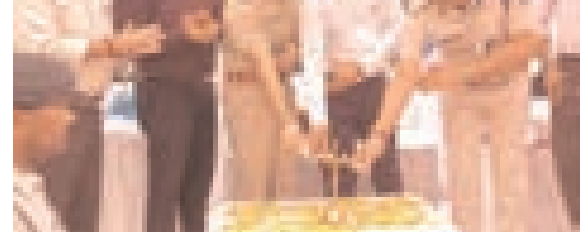
आरा नगर के मिराचक में गौरैया स्थान श्री चंद्रमा शर्मा हाल में निर्मल राम मंच तथा डा.ओमप्रकाश कुशवाहा सभागार मे आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमटी सदस्य व आरा सांसद सुदमा प्रसाद ने कहा कि देश की मौजूदा फासीवादी सरकार में नफरत व उन्माद लगातार बढ़े हैं और आज तो भाजपाई नेता और मंत्री सेना के जवान को अपमानित करते हुए कर्नल सुफिया कुरेशी को आतंकवादीयों की बहन बता कर नफरत फैलाने में जुटे हुए हैं हमें नफरत व उन्माद के खिलाफ भाईचारा का नारा बुलंद करने का आह्वान किया.सम्मेलन का उद्घाटन भाषण देते हुए आरा नगर सचिव सुधीर सिंह ने कहा कि हमें आरा शहर में पार्टी

को मजबूत करते हुए 2025 में अपने प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए लोकल स्तर पर पार्टी का ढांचा खड़ा करना है तथा सभी बुधों पर पार्टी सदस्यों की फौज खड़ा करना मेरा लक्ष्य होगा. अबरगुल इलाका सम्मेलन को संचालित करते हुए भाकपा माले आरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि हमें आरा नगर सहित अबरगुल दुधकटोरा वलीगंज अहिरपुरवा बेगमपुर मिराचक भलुहीपुर इलाके के सभी जर्जर सड़कों के निर्माण के लिए संघर्ष खड़ा करना है तथा वलीगंज, रामगढिया इलाके के जलजमाव के लिए इस इलाके के मुख्य नाले के निर्माण के लिए लड़ना होगा.

विकास शिविर ग्रामोदय- विशेष विकास शिविर में सैकड़ों लोगों को पहुंचाया गया लाभ, दर्जनों योजनाओं का हुआ शिलान्यास

सरकारी दवाई और सरकारी पढ़ाई पर विश्वास करें: जिलाधिकारी

नवप्रदेश/पश्चिमी चंपारण
पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्रीनगर पंचायत के उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में ग्रामोदय- विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सैकड़ों लोगों को विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लाभान्वित किया गया। शिविर में 24 विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए गए थे जहाँ ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित गति से निराकरण किया गया। जिला पदाधिकारी, दिनेश कुमार राय ने विशेष विकास शिविर का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, बेतिया, डा० शौर्य सुमन, पुलिस अधीक्षक, बगहा, सुशांत कुमार



सरोज, उप विकास आयुक्त, सुमित कुमार, अपर समाहर्ता, राजस्व, राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, विभागीय जाँच, कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल कुमार सिन्हा सहित तमाम

जिलास्तरीय, अयुर्मंडल स्तरीय, प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। शिविर को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि आज से ठीक एक माह और तेरह दिन पूर्व जिला प्रशासन की टीम ने इस

क्षेत्र का भ्रमण किया था और आप लोगों से इस क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न कठिनाईयों पर चर्चा हुई थी। उस दिन वास्तव में यहाँ श्रीनगर पहुंचने में जो कठिनाई हुई थी, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उसी वक्त मैंने और जिला प्रशासन की टीम ने यह ठाना कि इस क्षेत्र के विकास लिए जो भी बन सकेगा जिला प्रशासन की टीम करेगी। हमने लगातार समीक्षा की और उसका परिणाम है कि हम सभी आज आपके समक्ष फिर से उपस्थित हैं।

राज्य सरकार, राज्य के हरेक क्षेत्र में व्याप्त कठिनाओं को दूर करने के लिए कृत संकल्पित है और उसी क्रम में जिला प्रशासन की पूरी टीम आज आप सबके बीच उपस्थित हुई है।

मैं बता दूँ कि आज यहाँ राशन कार्ड से वंचित लोगों को कार्ड दिया गया है। साथ ही जो लोग अभी भी छूट गए हैं, उनका नाम दर्ज किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा स्वास्थ्य जांच कैम्प लगाया गया है। आप वहां पर अपना स्वास्थ्य जांच कर सकते हैं। जिनको चश्मा की आवश्यकता है, जांच करके उन्हें चश्मा भी दिया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड निर्माण का कैम्प लगाया गया है। आप आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। इससे इलाज में सहायता मिलेगी।

मुझे जानकारी मिली कि इस पंचायत में दो महादलित टोला है। डा. भीमराव अम्बेडकर समग्र विकास के तहत विशेष विकास

शिविर का आयोजन इस पंचायत में हो चुका है। महादलित वर्ग के समग्र विकास हेतु सामुदायिक भवन का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए भूमि की खोज अंचल अधिकारी द्वारा किया गया है। शिलान्यास किया गया है। उन्होंने कहा कि इस पंचायत के 17 वार्डों में 1102 परिवार हैं। इसमें से 677 परिवारों को जीविका समूह से जोड़ लिया गया है। शेष बचे परिवारों को भी जोड़ने की प्रक्रिया की जा रही है। बैंक से लिंकेज करारा जा रहा है। बिहार राज्य में शराबबंदी कानून लागू है। जो लोग भी शराब व्यवसाय से जुड़े हुए थे, वे सतत जीविकोपार्जन योजना से जुड़कर अपना आर्थिक विकास कर सकते हैं।

मंत्री ने किया प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

नवप्रदेश प्रॉतिधि/गिक्रमगंज। आगामी 30 मई को बिक्रमगंज में होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के होने वाले कार्यक्रम की तैयारी को लेकर बिहार सरकार के मंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी संजय सरावगी तथा प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस मौके पर मंत्री ने दर्जन भर प्रचार रथ को झंडी दिखा कर कार्यक्रम स्थल से रवाना किया। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम बिक्रमगंज की धरती पर ऐतिहासिक होगा। सिंदूर ऑपरेशन के सफलता के बाद लोगों में मोदी को सुनने के लिए उत्साह है, जो क्षेत्र की जनता में दिख रहा है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष संतोष पटेल, पूर्व विधायक राजेश्वर राज, भाजपा शिक्षक प्रकाश के प्रदेश महामंत्री डा. मनोहर रंजन, जिला महामंत्री घ्यारेलाल ओझा, विवेक सिंह, बलिराम मिश्रा, अखिलेश सिंह, नवीन चंद्र साह, पूर्व जिला अध्यक्ष मदन वैश्य, अखिलेश पांडेय, मंडल अध्यक्ष धनंजय सिंह, गौतम तिवारी, ललित मोहन सिंह, सुरेश गुप्ता, अजीत सिंह, सरत चंद संतोष, नगर अध्यक्ष विनोद पासवान, नागेश्वर कुशवाहा, नगर महामंत्री अमर सिंह सहित कई उपस्थित थे।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने बैठक कर प्रधानमंत्री के आगमन पर किया विमर्श

नवप्रदेश स्ूर्यपुरा/आगामी 30 मई को बिक्रमगंज के दुगाडीह में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर सूर्यपुरा मंडल अध्यक्ष सह 20 सूत्री अध्यक्ष प्रदीप कुशवाहा की ने बैठक किया . भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में मंनोज वर्मा के पास कार्यकर्ताओं का एक विशेष बैठक आयोजित किया गया . बैठक में शामिल राजेंद्र सिंह ने बताया कि देश के यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आगामी 30 मई को बिक्रमगंज में आगमन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक भारतीय जनता पार्टी मंडल सूर्यपुरा कार्य समिति की बैठक किया गया .आगे बताया कि कार्यक्रम में मंडल के वरिष्ठ नेता एवं मंडल के पदाधिकारी गण, पंचायत अध्यक्ष, बुध अध्यक्ष एवं सभी सम्मानित कार्यकर्ता बंधु सादर आमंत्रित है . बैठक में उपस्थित पार्टी के नेताओं में बाला पांडे, विकास कुशवाहा, मनोज वर्मा,अजय शौडिक, अरविंद दुबे, बीरेंद्र पांडे,पूर्व उप प्रमुख मनोज सिंह,अभिषेक सिंह, भरत पासवान, महूल पांडेय, सुनीा कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

सीआरसी स्तर पर चल रहे तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता जॉनसन

नवप्रदेश प्रॉतिधि स्ूर्यपुरा : सीआरसी स्तर पर चल रहे तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन शनिवार को हुआ। बिहार राज्य खेल प्रतिभा खोज कार्यक्रम के अंतर्गत मशाल के तहत प्रखंड के सीआरसी में खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन कई खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।[समन्वयक राव किशोर ठाकुर ने बताया कि प्रखंड अंतर्गत गोशलडीह पंचायत के कॉम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर पीएम श्री बलिराम भगत उच्च माध्यमिक प्लस टू विद्यालय गोशलडीह में मशाल खेल प्रतियोगिता के पहलु सीआरसी स्तरीय तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन कई खेलो का आयोजन हुआ।

आशा कार्यकर्ताओं का हड़ताल समाप्त हुआ



नवप्रदेश/सूर्यपुरा: प्रखंड की आशा कार्यकर्ताओं का चल रहे पांच दिवसीय हड़ताल समाप्त हुआ। आशा अपने संघ के आह्वान पर हड़ताल पर थी प्रखंड अध्यक्ष आनामिका देवी एवं रीना देवी ने कहा कि बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ सम्बन्ध महासंघ गोप गुट एक्टू के निर्णय के अनुसार मानदेय, प्रोत्साहन राशि में वृद्धि सहित अन्य मांगों की पूर्ति हेतु हम सभी आशा वीदी पांच दिवसीय हड़ताल पर थी शनिवार को पांचवें दिन हड़ताल समाप्त हुआ। आगे संघ अगर आदेश देता है तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर भी हम सब जाएंगे। स्वास्थ्य केंद्र पर क्षेत्र की सभी आशा कार्यकर्ता मौजूद थी।

निगरानी की हथे चढ़ा सासाराम अंचल कार्यालय का डेटा ऑपरेटर

नवप्रदेश/सासाराम/निगरानी विभाग की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सासाराम अंचल कार्यालय के एक कर्मचारी को रिवत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। एकड़ा गया कर्मचारी आकाश कुमार अंचल कार्यालय में डेटा ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। बताया जाता है कि डेटा ऑपरेटर अंचलधिकारी के दलाल के रूप में कार्य करता था। जानकारी के अनुसार, आरोपी कर्मचारी किसी कार्य के निष्पादन के लिए सेवा प्राप्त व्यक्ति से अवैध रूप से पैसे की मांग कर रहा था। पीड़ित द्वारा इसकी शिकायत निगरानी विभाग को दी गई थी, जिसके बाद टीम ने जाल बिछाकर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। निगरानी विभाग फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है और उससे जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

भोजपुर/नवप्रदेश/चरपोखरी में शनिवार की प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन सीआरसी कोऑर्डिनेटर बाल गंगाधर तिलक के द्वारा किया गया। आयोजित प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में प्रखंड के लाखा झुपट +2 विद्यालय बरनी मध्य विद्यालय बरनी मध्य विद्यालय सियाडीह पोजेकट उच्च विद्यालय चरपोखरी के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। आयोजित प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दौड़ लॉन्ग जंप तथा साइकिल रैस की प्रतियोगिता रही गई थी। जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस दौरान निर्णायक मंडल में प्रदीप कुमार सिंह परदेज आलम शशिकांत चौबे सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एक ही परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या

नवप्रदेश बबरगुलिया की जांच में पाता वला है कि दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है . शनिवार सुबह भी हुए बवाल की वजह यही था. पुलिस अब इस घटना में शामिल आरोपियों की तलाश में जुटी है .बिहार के बबरसर में एक ही परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, घटना बबरसर के राजपुर प्रखंड के अडियापुर की बताई जा रही है . पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि ये हत्याएं अनिय विवाद को लेकर की गई हैं . शनिवार सुबह हुई गोलीबारी की घटना में दो जमीन लोग घायल भी हुए हैं . जिन्हें इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है . पुलिस ने फिलहाल घटना की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है . पुलिस की जांच में अभी तक जो बात निकलकर सामने आई है उसके मुताबिक शनिवार सुबह बालू को लेकर दोनों पक्षों में प्दहल विवाद हुआ था . इसके बाद आरोपी पक्ष दूसरे पक्ष पर गोलियां बरसा दी . इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए .

पैसे की उगरी के लिए थानाध्यक्ष ने निर्दोष को किया टॉवर

ीतकार भार बरहहर। ज़िले के बैजनाथपुर थानाध्यक्ष अमरज्योति पैसे के लिए निर्दोष व्यक्ति को झूठे आरोपों में गिरफ्तार कर और उसे डरा धमका कर उससे पैसे की वसूली किया करता था .सहरसा जिले के बैजनाथपुर थानाध्यक्ष पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है . आरोप लगने के बाद उसे तत्काल रिहाई कर दिया गया, लेकिन उस पर लगे आरोप की जांच शुरू होते ही वह फरार हो गया है . थानाध्यक्ष अमरज्योति पर पैसे के लिए निर्दोष व्यक्ति को गिरफ्तार कर थर्ड डिग्री टॉवर करने और डरा-धमका कर 90 हजार रुपये वसूली का आरोप है . पुलिस पदाधिकारी र पुलिस के वरीय पदाधिकारी की जांच में आरोप सत्य पाया गया है . सहरसा जिले के बैजनाथपुर थानाध्यक्ष अमरज्योति पैसे के लिए निर्दोष व्यक्ति को झूठे आरोपों में गिरफ्तार कर और उसे डरा धमका कर उससे पैसे की वसूली किया करता था . मधेपुरा जिले के पबरहा गांव निवासी अविनाश कुमार नाम के एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार कर उससे अवैध वसूली की थी . पीडित अविनाश के पिता ने बताया कि थानाध्यक्ष ने उनके बेटे को गिरफ्तार कर उससे डेढ़ लाख रुपये की मांग की थी , नहीं तो नशीली दवाओं के कारोबार में सल्लस बता उसे लंबे समय तक के लिए जेल भेजने की धमकी दी थी .थानाध्यक्ष से संपर्क और निम्नत करने पर 90 हजार रुपए पर बात तब हुई. 29 हजार रुपए कैश और 25–25 हजार रुपये यूपीआई से दो अलग–अलग मोबाइल नंबर पर ट्रांसफर करने के बाद उसे छेड़ दिया गया . इस एक दिन में पुलिस द्वारा थर्ड डिग्री टॉवर करने के कारण अविनाश दो दिनों तक बेवशू रहा .दो दिनों तक इलाज में रहने के बाद हेश में आने पर उसने आपबीती बताई, फिर पीड़ित पिता ने डीडी से लेकर डीएसबी तक न्याय दिलाने की गुहार लगाई और अंततः न्याय हुआ .वरीय पदाधिकारियों तक शिकायत पहुंचने के बाद थानाध्यक्ष पर लगे सभी आरोपों की जांच की गई और सभी आरोप सत्य पाए गए .

मुजफ्फरपुर में रैमिंग को लेकर खूनी संघर्ष, देर रात हॉस्टल में हुआ बवाल

मुजफ्फरपुर एमआईटी कॉलेज का हॉस्टल बुधवार रात रणभूमि में तब्दील हो गया . रैमिंग विवाद ने छात्रों के बीच हिंसक टकराव का रूप ले लिया . लाठी-डंडे वगैरे, खिड़कियां टूट गयीं .एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया . पुलिस पहुंची, मगर तब तक दूध शांत . मुजफ्फरपुर के नामी इंजीनियरिंग कॉलेज का हॉस्टल बुधवार रात हिंसा का अखाड़ा बन गया . प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों के बीच रैमिंग को लेकर शुरू हुई कहासुनी देर रात खूनी संघर्ष में तब्दील हो गईं . छात्रों के हाथों में लाठी, डंडे और हॉकी स्टिक थीं . हॉस्टल का गेट टूटा, खिड़कियां चकनाचूर हो गईं और फर्श पर खून बिखर गया .इस संघर्ष में कई छात्र घायल हुए . एक छात्र की कलाई इतनी बुरी तरह कर दी गई कि उसे तुरंत खून चढ़ाना पड़ा . पहले उसे पास के निजी अस्पताल ले जाया गया,

संक्षिप्त समाचार

सीआईए भवन के बाहर व्यक्ति को मारी गोली

रिचमंड, एजेंसी। वजीरिया के लैंगली में सीआईए मुख्यालय भवन के बाहर बृहस्पतिवार को सुरक्षा कर्मियों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। मांडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेयरफैक्स पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि यह घटना सुबह 4 बजे के आसपास हुई। वहीं, खुफिया एजेंसी ने कहा कि गोलीबारी की यह घटना इसाइली दूतावास के दो कर्मचारियों की हत्या के दो दिन बाद हुई, लेकिन ये घटनाएं आपस में जुड़ी नहीं हैं, दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं।

बल प्रयोग, धमकी से कोई पाक को मजबूर नहीं कर सकता : मुनीर

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के साथ हाल के संघर्ष के बाद बृहस्पतिवार को पहली बैठक में पाकिस्तान के पीएलड मार्शल आसिम मुनीर ने कहा कि कोई भी पाकिस्तान को बल प्रयोग या धमकी के जरिये मजबूर नहीं कर सकता। सैन्य मुख्यालय में 270वें कोर कमांडरों के सम्मेलन के दौरान मुनीर ने कहा कि उनका देश अपने महत्वपूर्ण हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय करने में तैय्यम है।

पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में बारिश-बाढ़, 24 घंटों में एक माह की वर्षा

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर रिकॉर्ड बाढ़ के पानी में तीन लोगों की मौत हो गई और एक लापता है। अभी क्षेत्र में और भारी बारिश का पूर्वानुमान है। मंगलवार से ही इस क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है। आपातकालीन सेवा मंत्री जिहाद दीब ने कहा, 24 घंटों में एक माह की बारिश हुई? है। छतों-में फसे लोगों के लिए हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल किया गया है।

कोस्टा रिका पुलिस ने पांच

कैपीबार्स और इग्स जब्त कीं

कोस्टा रिका, एजेंसी। कोस्टा रिका पुलिस ने एक गाड़ी से पांच कैपीबार्स, कोकीन और मारीजुआना जब्त की है। पुलिस ने हाइवे पर एक गाड़ी का पीछा कर इन्हें जब्त किया। कैपीबार्स अर्ध-जलीय इलाकों में रहने वाले जानवर हैं, लेकिन ये कोस्टा रिका में नहीं पाए जाए। ऐसे में कोस्टा रिका में इन जानवरों को लाना-ले जाना अवैध है और इनकी तस्करी कानूनन अपराध है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कैपीबार्स कोस्टा रिका में नहीं पाए जाते हैं, ऐसे में इन जानवरों को पर्यावरण संरक्षण केंद्रों पर रखा जा सकता है।

अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का फिर लिया श्रेय

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश की है। अमेरिका विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर थे, उत्साहजनक बात ये है कि अमेरिका की मदद से संघर्ष विराम हुआ, जो अभी तक जारी है। हालांकि जैसा की दुनिया ने देखा है कि एक मुद्दा है, जो हल नहीं हुआ है, लेकिन इसके हल होने की संभावना बढ़ गई है।

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय में नौकरशाह बदले

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने विदेश मंत्रालय के शीर्ष नौकरशाह को बदल दिया है। मोहम्मद यूनूस की अंतरिम सरकार ने बृहस्पतिवार को बड़ा बदलाव करते हुए एक वरिष्ठ राजनयिक को अस्थायी रूप से नियमित कर्तव्यों का निर्वहन करने की जिम्मेदारी सौंपी। सरकार की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक विदेश सचिव जशीम उद्दीन ने अपनी जिम्मेदारियों से इस्तीफा दे दिया है। अब अगले आदेश तक एम रुहुल आलम सिद्दीकी विदेश सचिव के नियमित कार्यों का निर्वहन करेंगे।

अमेरिका में तीन हत्याओं के दोषी को दी गई मौत की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। टेनेसी राज्य में ऑस्कर विमिथ को 1989 में अपनी पत्नी और दो सौतेले बेटों की हत्या के मामले में मौत की सजा दी गई। 175 वर्षीय रिम्या को गुरुवार सुबह इंजेक्शन के जरिए फांसी दी गई। उन्होंने मरते वक्त खुद को निर्दोष बताया और कहा, मैंने उन्हें नहीं मारा। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय व्यवस्था ठीक से काम नहीं करती। हालांकि, अदालत ने उनके खिलाफ सबूतों को ठोस माना था। 12022 में फांसी टाल दी गई थी क्योंकि जहरीले इंजेक्शन की जांच अधूरी थी। नई फांसी नीति भी विवादों में है और इस पर एक मुकदमा जनवरी 2026 में सुना जाएगा।

दक्षिण पश्चिम चीन में भूस्खलन के कारण चार लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी। सरकारी समाचार एजेंसी ‘शिनहुआ’ के अनुसार, बृहस्पतिवार को चांगशी कस्बे में दो शव मिले और पास के किंगयांग गांव में दो अन्य लोगों के शव मिले। उसने बताया कि मलबे में दबे 17 अन्य लोग अब भी लापता हैं। चीन के दक्षिण-पश्चिमी गुइझोउ प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में भूस्खलन के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य लोग अब भी लापता हैं। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी ‘शिनहुआ’ के अनुसार, बृहस्पतिवार को चांगशी कस्बे में दो शव मिले और पास के किंगयांग गांव में दो अन्य लोगों के शव मिले। उसने बताया कि मलबे में दबे 17 अन्य लोग अब भी लापता हैं।

क्या मुहम्मद यूनूस इस्तीफा देंगे? बांग्लादेश के सेना प्रमुख के साथ मतभेदों के बीच अटकलें तेज़ हुईं

ढाका, एजेंसी। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में एक बार फिर से गतिरोध बढ़ता दिखाई दे रहा है। लगत रहा है एक बार फिर से बांग्लादेश की सत्ता में परिवर्तन होने जा रहा है। अभी पुरी तरह से खबरों की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट की माने तो अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनूस अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकर-उज्ज-जमान द्वारा अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनूस को दिए गए अल्टीमेटम के बाद, 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता अपने पद से इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं।

छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी सीपी पार्टी के प्रमुख निहद इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला सेवा को बताया कि यूनूस इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें काम करना मुश्किल लग रहा है क्योंकि राजनीतिक दल एक आम सहमतित पर पहुंचने में विफल रहे हैं।

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनूस के संभावित इस्तीफे को लेकर ढाका में अटकलों का बाजार गर्म है। अफवाहों के बीच, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने गुरुवार शाम (22 मई) को यूनूस से उनके आधिकारिक अवास जमुना में मुलाकात की। रिपोर्ट बताती है कि गुरुवार दोपहर से ही सोशल मीडिया पर यूनूस के इस्तीफे की अटकलें व्यापक रूप से फैल रही हैं, जिस पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं और टिप्पणियां सामने आ रही हैं। बढ़ती अनिश्चितता के मद्देनजर, नाहिद इस्लाम ने मुख्य सलाहकार से सीधे बात करने के लिए जमुना का दौरा



किया। यह खुलासा नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के नेता निद इस्लाम ने दिन में पहले यूनूस से मुलाकात के बाद किया।

इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला से कहा, हम आज सुबह से सर के इस्तीफे के बारे में सुन रहे हैं, इसलिए मैं उनसे इस पर चर्चा करने के लिए मिलने गया था। उन्होंने मुझे बताया कि वे इस बारे में सोच रहे हैं। उन्हें लगता है कि मौजूदा स्थिति ऐसी है कि वे काम करना जारी नहीं रख सकते। एनसीपी ने यूनूस से मजबूत बने रहने का आग्रह किया इस्लाम, जो इस साल की शुरुआत में यूनूस के अनौपचारिक संरक्षण में प्रमुखता से उभरे हैं, ने कहा कि मुख्य सलाहकार ने मामलों की स्थिति के बारे में वास्तविक चिंता व्यक्त की है। इस्लाम ने बताया, उन्होंने कहा कि जब तक राजनीतिक दल एक आम जमीन पर नहीं पहुंच जाते, वे काम नहीं कर पाएंगे।

यूनूस को इस्तीफा देने का विवरण अपष्ट है, लेकिन ढाका के सूत्रों ने न्यूज़18 को

आग्रह किया। इस्लाम ने कहा, मैंने उनसे देश की सुरक्षा, इसके भविष्य और जन-विद्रोह द्वारा जगाई गई उम्मीदों का सम्मान करने के लिए मजबूत बने रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राजनीतिक दल अंततः एकजुट होंगे और यूनूस को अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। इस्लाम ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सभी लोग साथ आएंगे और उनका समर्थन करेंगे। हालांकि, एनसीपी नेता ने कहा कि अगर यूनूस अपना काम नहीं कर सकते तो उनके पद पर बने रहने का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा, अगर राजनीतिक पार्टी चाहती है कि वे अभी इस्तीफा दें...तो वे क्यों पद पर बने रहेंगे, अगर उन्हें भरोसे का वह स्थान, आशवासन का वह स्थान नहीं मिलता? हालांकि बैठक का विवरण अपष्ट है, लेकिन ढाका के सूत्रों ने न्यूज़18 को

चागोस द्वीप मॉरीशस को सौंपने से ब्रिटेन की सुरक्षा मजबूत होगी: ब्रिटेन सरकार



संवाददाताओं से कहा, “अपनी शर्तों पर यह समझौता करके हम मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। ... इससे यह सैन्य अड्डा आली शताब्दी तक अच्छे तरीके से संचालित हो सकेगा और आने वाली कई पीढ़ियों तक हमें सुरक्षित रखने में मदद करेगा।”

इस समझौते के आलोचकों का तर्क है कि दो शताब्दियों से ब्रिटिश क्षेत्र रहे इस द्वीपसमूह को छोड़ने से रूस या चीन जैसी विदेशी शक्तियां के हस्तक्षेप का खतरा पैदा हो जाएगा। इस समझौते को संसद द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है।

कंजर्वेटिव पार्टी के प्रवक्ता जेम्स कार्टल्लिज ने इस समझौते की कड़ी आलोचना की। यह समझौता बावजूद किया गया था। इन निवासियों को सैन्य अड्डा बनाने के लिए दशकों पहले निष्कासित कर दिया गया था। इससे पहले, ब्रिटेन की एक अदालत ने विवादित चागोस द्वीप समूह को

मॉरीशस को सौंपने पर ब्रिटिश सरकार पर लगाई गई रोक हटा दी थी। स्टॉर्मर और मॉरीशस के नेता नवीन रामगुलाम द्वारा बृहस्पतिवार को समझौते पर हस्ताक्षर किये जाने से कुछ घंटे पहले, उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने हस्तांतरण पर रोक लगाने के लिए एक अस्थायी आदेश जारी किया था। हालांकि, सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने कहा कि रोक हटा दी जानी चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से इस संबंध में परामर्श लिया गया था और उसने अपनी स्वीकृति दे दी, लेकिन लगाने को लेकर अंतिम क्षणों में बातचीत के बाद समझौते को अंतिम रूप देने में देरी हुई। ब्रिटिश साम्राज्य के अंतिम अवशेषों में से एक चागोस द्वीपसमूह 1814 से ब्रिटेन के नियंत्रण में रहा है। ब्रिटेन ने 1965 में मॉरीशस से इस द्वीपसमूह को अलग कर दिया था। मॉरीशस को इसके तीन साल बाद स्वतंत्रता मिली।

जहां यूक्रेन ने किया था कब्ज़ा, अचानक वहां आ खड़े हुए पुतिन



मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन से लगे कुर्सक क्षेत्र का दौरा किया, जिसे रूस ने पिछले महीने यूक्रेनी सेना से मुक्त कराने का दावा किया था। क्रेमलिन (रूस की संसद) ने बताया कि यह दौरा अचानक और अघोषित था। पुतिन ने वहां निर्माणाधीन कुर्सक न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट-2 का निरीक्षण किया और चुनिंदा वॉलंटियर्स से मुलाकात की। पुतिन ने वॉलंटियर्स से कहा कि जो आप देश के लिए कर रहे हैं, वह हमेशा आपके साथ रहेगा, क्योंकि वह शायद आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण काम है।

यूक्रेनी वलों ने आपस्त 2024 में कुर्सक क्षेत्र में अचानक घुसपैठ की थी, जो लगभग ढाई साल से चल रहे युद्ध के दौरान का कीव की वज्री सफलता थी। वहीं, रूस ने दावा किया कि उसकी वायुसेना ने रातभर में यूक्रेन के 159 ड्रोन मार गिराए, जिनमें ओरलोल इलाके में 53 और ब्रायंस्क इलाके में 51 शामिल हैं।

पुतिन ने स्वयंसेवकों के साथ चाय पीते हुए कहा, इस कठिन परिस्थिति के दौरान आप इस क्षेत्र, इस इलाके और देश के लिए जो कुछ कर रहे हैं, वह जीवन भर आपके साथ रहेगा, क्योंकि शायद यह आपके जीवन का सबसे सार्थक कार्य होगा। यूक्रेन का कुर्सक में अचानक प्रवेश तथा वहां अपनी जमीन पर कब्जा बनाए रखने की क्षमता, एक सैन्य उपलब्धि थी, जिसे

गुप्त रूप से अंजाम दिया गया तथा इसने महीनों से मोर्चे से आ रही इन निराशाजनक खबरों का जवाब दिया था कि यूक्रेनी सेना को रूसी सेना द्वारा पीछे धकेला जा रहा है। कीव की रणनीति का उद्देश्य यह दिखाना था कि वह युद्ध अभी हारा नहीं है। पुतिन ने कार्यवाहक गवर्नर अलेक्जेंडर खिनशटेन से मुलाकात में कहा कि विस्थापित परिवारों को मासिक सहायता राशि देने की योजना जारी रखने के विचार को क्रेमलिन समर्थन देता है। पुतिन ने कहा कि वह इस क्षेत्र में एक संहालय बनाने के प्रस्ताव का समर्थन करेंगे, जिसमें खिनशटेन द्वारा वर्णित हमारे रक्षकों की वीरता और क्षेत्र के निवासियों की वीरता को दर्शाया जाएगा।

कभी बच नहीं सकते।” किम ने सैन्य अधिकारियों, वैज्ञानिकों और शिपयार्ड संचालकों को इस घटना के लिए दोषी ठहराया है। उन्होंने जून के अंत में होने वाली सत्तारूढ़ ‘वर्कर्स पार्टी’ की उच्चस्तरीय बैठक से पहले युद्धपोत की मरम्मत का काम पूरा करने का आदेश दिया है।

उत्तर कोरिया की सेंट्रल मिलिट्री कमेट्री ने चोंगजिन शिपयार्ड के मैनेजर होग किल हों को समन जारी कर पेश होने का निर्देश दिया है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया के अनुसार, भले ही जहाज को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन इस हादसे की माफ़ी नहीं है और यह एक अपराध है। इसके जिम्मेदार लोग इससे बच नहीं पाएंगे। हादसे के

समय किम जोंग उन भी मौजूद थे और उन्होंने हादसे पर कड़ी नाराजगी जताई थी। शुक्रवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि हादसे में जहाज को बहुत ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और यह 10 दिनों में रिपेयर हो सकता है। जहाज के एक तरफ थोड़ी खरोंच आई है और जहाज के कई किस्म के समुद्र का पानी भर गया है। हालांकि अभी पूरे नुकसान की जानकारी नहीं दी गई है। उत्तर कोरिया से बहुत ज्यादा जानकारी बाहर नहीं जा पाती। खासकर सैन्य संबंधी मामलों को भी काफ़ी गुप्त रखा जाता है। उत्तर कोरिया अपनी नौसेना ताकत को बढ़ाना चाहता है और यह युद्धक जहाज की असफल लॉन्चिंग भी उसी योजना का हिस्सा थी।

पनामा और वेनेजुएला के बीच एक साल

बाद फिर शुरू होंगी उड़ानें

कैरेकस, एजेंसी। पनामा और वेनेजुएला के बीच लगभग एक साल से बंद पड़ी वाणिज्यिक उड़ानें फिर से शुरू होने जा रही हैं। पनामा की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने इस बात की पुष्टि की है। दोनों देशों के बीच जुलाई 2024 में राजनयिक इनाम के चलते संबंध टूट गए थे, जब पनामा के राष्ट्रपति ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के पुनः चुनाव को मान्यता देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद वेनेजुएला ने अपनी राजनयिक टीम को पनामा से वापस बुला लिया था। अब संबंधों में सुधार के संकेत के तौर पर उड़ानों की बहाली एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

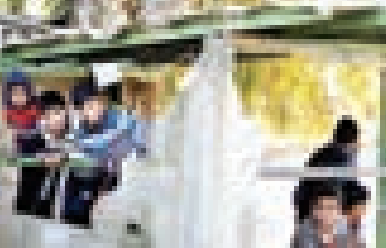
ट्रंप प्रशासन ने प्रवासी बच्चों की सुरक्षा खत्म करने की कोशिश की

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने फ्लोरिड सेटलमेंट खत्म करने की मांग करते हुए अदालत में याचिका दायर की है। यह समझौता 1990 के दशक से अमेरिका में पकड़े गए प्रवासी बच्चों को सुरक्षित और साफ-सुथरे माहौल में रखने की गारंटी देता है और 72 घंटे से ज्यादा हिरासत में रखने से रोकता है। यह दूसरी बार है जब ट्रंप सरकार ने इसे खत्म करने की कोशिश की है, पिछली बार 2020 में कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। इस समझौते के तहत अदालत द्वारा नियुक्त मॉनिटर निरीक्षण करते हैं।

गाजा के सबसे बड़े अस्पताल में बड़ी तादाद में कुपोषण से पीड़ित बच्चे भर्ती

गाजा, एजेंसी। इजराइल-हमास युद्ध की कीमत मासूम बच्चे अदा कर रहे हैं। गाजा के अस्पताल में कुपोषण से पीड़ित इन बच्चों की दशा युद्ध के अभिशाप को साफ-साफ बयां करती है। अपनी दो साल की बेटी की कमजोर बांह को पकड़कर अस्मा अल-अजजा उसका कपड़ा ऊपर करके उसकी उभरी हुई पसलियों और फूले हुए पेट को दिखाती हैं। बच्चों अस्पताल के बिस्तर पर लेटी है, गहरी गहरी सांस लेती है और फिर बेकाबू होकर रोने लगती है।

यह पहली बार नहीं है जब मयार कुपोषण से जूझते हुए गाजा के अस्पताल में आई हो, लेकिन इस बार 17 दिन अस्पताल में बिताना उसके लिए काफी मुश्किल रहा। उसे सीलिएक रोग है, जो एक



‘ऑटोइम्यून’ विकार है जिसमें ग्लूटेन (गेहूं और जौ में पाए जाने वाला एक तत्व) के सेवन से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अपनी ही स्वस्थ कोशिकाओं और ऊतकों पर हमला करने लगती है।

इसका मतलब है कि वह ‘ग्लूटेन’ (गेहूं, मैदा, सूजी आदि) युक्त भोजन नहीं खा सकती और उसे विशेष भोजन की आवश्यकता होती है। लेकिन 19 महीने के युद्ध और इजराइल की कठोर नाकाबंदी के

अनुसार, मयार उन 9,000 से अधिक बच्चों में से एक है जिनका इस साल कुपोषण के लिए इलाज किया गया है और खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले साल में ऐसे हजारों मामले सामने आने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर इजराइल अपने सैन्य अभियान को नहीं रोकता है और अपनी नाकाबंदी पूरी तरह से नहीं हटाता है तो क्षेत्र में अकाल जैसी स्थिति भी आ सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले सप्ताह कहा था कि लोग पहले से ही भूख से मर रहे हैं। फलस्तीनी क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के प्रतिनिधि नेस्टर ओबोमुहंगी ने कहा, “जहां भी देखो, लोग भूखे हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी के

युद्धपोत के क्षतिग्रस्त होने के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा: उत्तर कोरिया

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने जलावतरण के दौरान अपने नए नौसैनिक विध्वंसक युद्धपोत के क्षतिग्रस्त होने की घटना के संबंध में जांच और जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने पोत के क्षतिग्रस्त होने की घटना पर रोष व्यक्त करते हुए कहा था कि यह अपराधिक लापरवाही के कारण हुआ है। उत्तर कोरिया की नौसेना के लिए अहम 5,000 टन वजनी विध्वंसक युद्धपोत अपने जलावतरण समारोह के दौरान बुधवार को क्षतिग्रस्त हो गया था। इस कार्यक्रम में उत्तर कोरिया के नेत किम जोंग उन भी शामिल हुए थे। उत्तर

कोरियाई नेता किम देश के खिलाफ व्यापक होते अमेरिका नीत खतरों से निपटने के लिए बड़े युद्धपोत चाहते हैं। उत्तर कोरिया के लिए सैन्य-संबंधी असफलताओं को स्वीकार करना सामान्य बात नहीं है लेकिन पर्यवेक्षकों का कहना है कि पोत के जलावतरण के असफल रहने का खुलासा यह दर्शाता है कि किम अपने नौसैनिक कार्यक्रम के प्रति गंभीर हैं।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक ‘कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी’ (केंसीएनए) के अनुसार, 5000 टन श्रेणी का विध्वंसक पोत जलावतरण के समय ‘रैप’ से फिसल गया और फंस गया जिससे युद्धपोत का संतुलन बिगड़ गया और उसका निचला हिस्सा



क्षतिग्रस्त हो गया। केंसीएन ने शुक्रवार को कहा कि “गंभीर नुकसान नहीं हुआ” है और इसे लगभग 10 दिन में ठीक किया जा सकता है। केंसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया के केंद्रीय सैन्य आयोग ने इस घटना की जांच शुरू करते हुए चोंगजिन शिपयार्ड

के प्रबंधक हांग किल हों को तलब किया है। केंसीएनए के अनुसार, आयोग ने कहा, “युद्धपोत की स्थिति चाहे कितनी भी बेहतर क्यों न हो, यह सच्चाई बदली नहीं जा सकती कि यह दुर्घटना एक अक्षय्य अपराधिक कृत्य है और इसके लिए जिम्मेदार लोग अपनी जमीन पर कब्जा